www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

नीदरलैंड ने इजराइल के 2 कट्टर मंत्रियों पर बैन लगाया 06

वर्ष :17 | अंक :119 | प्रयागराज ,बुधवार , 30 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई, 12-13 अगस्त को तय हुई तारीख

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह 12 और 13 अगस्त को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के भारत निर्वाचन आयोग के कदम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। याचिकाकताओं की इस आशंका पर कि 1 अगस्त को मसौदा सूची के प्रकाशन के बाद कुछ लोगों के नाम सूची से छूट गए हैं, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हम एक न्यायिक प्राधिकारी के रूप में इस मामले की समीक्षा कर रहे हैं। अगर बड़े पैमाने पर लोगों को बाहर रखा गया है, तो हम तुरंत कार्रवाई करेंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में सामूहिक बहिष्कार के बजाय सामूहिक समावेश होना चाहिए।शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से आधार और मतदाता पहचान पत्र दस्तावेज स्वीकार करना जारी रखने को भी कहा। दोनों दस्तावेजों की वास्तविकता की धारणा पर जोर देते हुए, शीर्ष अदालत ने बिहार में मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया।

गोवा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए होमस्टे नीति में किया बदलाव, आवेदकों को 2 लाख रुपये का प्रत्यक्ष अनुदान मिलेगा

गोवा के ग्रामीण क्षेत्रों में आतिथ्य पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से, राज्य सरकार ने स्थानीय समुदायों की सहायता के लिए अपनी होमस्टे नीति में संशोधन किया है, पर्यटन मंत्री रोहन खाउंटे ने घोषणा की। संशोधित नीति के तहत, पात्र आवेदकों को अब होमस्टे स्थापित करने के लिए 2 लाख रुपये का सीधा अनुदान मिलेगा, जो पिछले प्रतिपूर्ति मॉडल की जगह लेगा, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण परिवारों के लिए वित्तीय चुनौतियाँ पैदा हुई थीं। खाउंटे ने राज्य विधानसभा के चल रहे मानसून सत्र के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि मूल नीति के तहत लाभार्थियों को पहले निवेश करना होता था और बाद में राशि का दावा करना होता था, जो ग्रामीण परिवारों की महिलाओं के लिए व्यावहारिक नहीं था। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिक्रिया के आधार पर, हमने यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक बदलाव किए हैं कि नीति समावेशी, सुलभ और वास्तव में सशक्त हो। मंत्री के अनुसार, संशोधित नीति विशेष रूप से मालिक के निवास के भीतर स्थित होमस्टे को लक्षित करती है, जहाँ मेहमानों के लिए एक से छह कमरे उपलब्ध होंगे। नीति के ग्रामीण फोकस को बनाए रखने के लिए लाभ गैर-तटीय और गैर-शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित रहेंगे। खाउंटे ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर बनाई गई है

'दुनिया के किसी भी नेता ने ऑपरेशन रोकने को नहीं कहा'

ऑपरेशन सिंदूर पर वार-पलटवार, पीएम मोदी ने विपक्ष के आरोपों का दिया जवाब

मानसून सत्र

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाकर मीडिया में जगह ले सकते हैं, लेकिन देशवासियों के दिल में जगह नहीं बना सकते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का मंगलवार को 7वां दिन है. 'ऑपरेशन सिंदूर' पर व्यापक चर्चा हुई. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में इस चर्चा के दौरान कहा कि पहलगाम के आतंकियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया है. ये सभी आतंकी पाकिस्तानी थे. गोली और हथियारों की एफएसएल की जांच में पाया गया कि सभी पाकिस्तानी थे. वहीं एक आतंकी का वोटर कार्ड पाकिस्तानी पाया गया. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले.

'बस करो, बहुत मारा', पीएम मोदी ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने मांगी दया की भीख

डंके की चोट पर अभिनंदन वापस आया: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक तरफ भारत 'आत्मनिर्भरता' की ओर तेजी से बढ़ रहा है, और दूसरी तरफ कांग्रेस अब भी मुद्दों के लिए पाकिस्तान पर निर्भर होती जा रही है. दुर्भाग्य से कांग्रेस को मुद्दे भी पाकिस्तान से 'इम्पोर्ट' करने पड़ रहे हैं ! उन्होंने कहा कि जब पायलट अभिनंदन पकड़े गए, तो पाकिस्तान में खुशी का माहौल होना स्वाभाविक था, क्योंकि उनके हाथ भारतीय सेना का पायलट लगा था. लेकिन यहां पर भी कुछ लोग थे जो कानों-कान कह रहे थे - अब मोदी फंसा, अब देखते हैं, मोदी क्या करता है. डंके की चोट पर अभिनंदन वापस आया.उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद जब बीएसएफ का एक जवान पाकिस्तान के कब्जे में गया, तो इन्हें लगा कि अब मोदी फंस जाएगा. अब तो मोदी की फजीहत जरूर होगी ।

विदेश नीति पर पीएम मोदी का बयान

विदेश नीति पर पीएम मोदी ने कहा कि यहां पर विदेश नीति को लेकर भी काफी बातें कही गईं. दुनिया के समर्थन को लेकर भी काफी बातें कही गईं. दुनिया के किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से रोका नहीं है. 193 देशों में से सिर्फ तीन देश ने पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया ने वीरों के पराक्रम को समर्थन नहीं किया. भारत को कांग्रेस का समर्थन नहीं मिला. कांग्रेस को भारत के सामर्थ्य पर भरोसा नहीं है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस को देश की सेना पर भरोसा नहीं है. कांग्रेस सेना का मोनबल गिरा रही थी. कांग्रेस को सेना द्वारा दिए गए तथ्यों पर भरोसा नहीं है. उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने पाकिस्तान के झूठे प्रचार को आगे बढ़ाया. दुनिया के देशों का समर्थन मिला, लेकिन ये दुर्भाग्य है कि मेरे देश के वीरों के पराक्रम को कांग्रेस का समर्थन नहीं मिला. 22 अप्रैल के आतंकी हमले के बाद 3-4 दिन में ही ये उछल रहे थे, और कहना शुरू किया कि कहां गई 56 इंच की छाती, मोदी तो खो गया... ये मजा ले रहे थे.

सेना का विरोध कांग्रेस का पुराना रवैया: पीएम मोदी

मोदी ने कहा कि सेना का विरोध और सेना के प्रति नकारात्मकता - ये कांग्रेस का पुराना रवैया रहा है. अभी देश ने करगिल विजय दिवस मनाया, लेकिन देश जानता है कि कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में और आज तक न तो करगिल की विजय को अपनाया है, न ही करगिल विजय दिवस मनाया है, और न ही करगिल का गौरव किया है. पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस का भरोसा पाकिस्तान के रिमोट कंट्रोल से बनता है और बदलता भी है. कांग्रेस अपने नए सदस्य से कहलवाती है कि ऑपरेशन सिंदूर तमाशा था. जिस भीषण आतंकी घटना में 26 लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया - उस पर ये तेजाब छिड़कने वाला पाप है.

राज्यसभा में खरगे-नड्डा का हाई-वोल्टेज तकरार, पीएम पर बयान से शुरू होकर माफी तक पहुंची बात

मंगलवार को राज्यसभा में उस समय भारी हंगामा हुआ जब केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। संसद के उच्च सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष बहस के दौरान बोलते हुए, नड्डा ने 83 वर्षीय खड़गे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए विवादास्पद शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि वह (राज्यसभा नेता मल्लिकार्जुन खड़गे) बहुत

वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन जिस तरह से उन्होंने प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की। मैं उनका दर्द समझ सकता हूँ। वह (प्रधानमंत्री मोदी) 11 साल से वहाँ हैं। वह दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पीएम की छवि बचाने को था

राहुल का केंद्र पर हमला, बोले- लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं

कांग्रेस नेता ने कहा कि पहलगाम आतंकी घटना होने के बाद मैं करनाल में नरवाल जी के घर गया। उनके बेटे नेवी में थे और वो सीआरपीएफ में थे। मुझे ऐसा लगा कि मैं अपने परिवार के साथ बैठा हूं। उन्होंने अपने बेटे का फोटो एल्बम दिखाया, उसके बारे में बताया कि वो बहुत हंसी-मजाक करता था।

एजेंसी

कांग्रेस नेता ने कहा कि पहलगाम आतंकी घटना होने के बाद मैं करनाल में नरवाल जी के घर गया। उनके बेटे नेवी में थे और वो सीआरपीएफ में थे। मुझे ऐसा लगा कि मैं अपने परिवार के साथ बैठा हूं। उन्होंने अपने बेटे का फोटो एल्बम दिखाया, उसके बारे में बताया कि वो बहुत हंसी-मजाक करता था।

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चट्टान की तरह सरकार के साथ खड़ा रहा। उन्होंने कहा कि एक क्रूर हमला (पहलगाम), एक निर्दयी हमला जो स्पष्ट रूप से पाकिस्तानी सरकार द्वारा आयोजित और सुनियोजित था। युवाओं और बुजुर्गों की निर्मम हत्या कर दी गई। हम सभी, इस सदन के प्रत्येक व्यक्ति ने मिलकर, पाकिस्तान की निंदा की है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर शुरू होते ही, बल्कि शुरू होने से पहले ही, विपक्ष ने, सभी दलों ने, यह प्रतिबद्धता जताई थी कि हम सेना और भारत की निर्वाचित सरकार के साथ चट्टान की तरह खड़े रहेंगे। राहुल ने कहा कि हमने उनके कुछ नेताओं की ओर से कुछ व्यंग्यात्मक टिप्पणियाँ सुनीं। लेकिन हमने कुछ नहीं कहा। यह एक ऐसी बात थी जिस पर इंडिया गठबंधन के सभी वरिष्ठ नेतृत्व सहमत थे। हमें बहुत गर्व है कि एक विपक्ष के रूप में, हम एकजुट रहे, जैसा कि हमें होना चाहिए था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान का हवाला देते हुए कहा कि सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद पाकिस्तान को बताया कि हम संघर्ष को आगे नहीं बढ़ाना चाहते, एक तरह से सरकार ने कह दिया कि हमारे पास राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं है। बहन ने कहा- मैं दरवाजे की ओर देखती हूं, लेकिन मेरा भाई नहीं आता है और कभी नहीं आएगा। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि उसके बाद मैं यूपी में एक और परिवार से मिला, जिसमें पति को पत्नी के सामने गोली मार दी गई थी। ये देखकर हर हिंदुस्तानी को दर्द होता है, दुख होता है। जो हुआ, बहुत गलत हुआ। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर हमला नहीं करने का आदेश देने की गलती की, हमारे पायलटों के हाथ बांध दिए गए।

कांग्रेस की महाभूल के लिए नेहरू-गांधी परिवार जिम्मेदार: अमित शाह

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए शाह ने कहा कि आज चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में है, और भारत नहीं है

अमित शाह ने संसद में कांग्रेस को घेरते हुए पीओके कानून रद्द करने और शिमला समझौते में पीओके लेने पर सवाल उठाए। उन्होंने दाऊद इब्राहिम जैसे आतंकियों के कांग्रेस शासन में भागने का आरोप लगाया और कहा कि डोकलाम में राहुल गांधी का चीनी राजदूत से मिलना नेहरू के चीन प्रेम का विस्तार है।

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पाकिस्तान कांग्रेस की गलती है। अगर उन्होंने विभाजन स्वीकार नहीं किया होता, तो आज पाकिस्तान नहीं होता। संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए शाह ने कहा कि आज चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में है, और भारत नहीं है। मोदी जी पूरी कोशिश कर रहे हैं कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का हिस्सा बन जाए। इसके लिए जवाहरलाल नेहरू का रुख ज़िम्मेदार है। जब हमारे जवान डोकलाम में चीनी सैनिकों का सामना कर रहे थे, तब राहुल गांधी चीनी राजदूत के साथ बैठक कर रहे थे। चीन के प्रति यह प्रेम जवाहरलाल नेहरू, सोनिया गांधी और राहुल गांधी से लेकर तीन पीढ़ियों तक चला आ रहा है। शाह ने कहा कि 2002 में अटल जी की एनडीए सरकार पोटा (आतंकवाद निरोधक अधिनियम, 2002) लेकर आई थी।

हरिद्वार हादसे के पीड़ितों को श्रद्धांजलि, व्यापार मंडल ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

एजेंसी

राज्य व्यापार मण्डल उत्तराखंड हरिद्वार महानगर इकाई द्वारा माँ मनसा देवी मंदिर मार्ग में हुए हादसे में मृतको की आत्मा शांति के लिए माँ गंगा हरकी पौड़ी में दीपदान किया गया और घायल हुए श्रद्धालुओं की जल्दी स्वस्थ होने की कामना माँ गंगा से की गयी। प्रदेश अध्यक्ष राजेंदर चौटाला ने कहा की श्रद्धालु मन की शांति के लिए हरिद्वार आते है ।

गृह मंत्री मेरी मां के आंसुओं तक चले गए, लेकिन यह नहीं बताया कि युद्धविराम हुआ क्यों?

प्रियंका का सरकार पर तंज

कांग्रेस नेता ने कहा कि 1948 से लेकर अब तक- जब पाकिस्तान की तरफ से कश्मीर पर हमला किया गया- हमारे देश की अखंडता की रक्षा करने में हमारे जवानों का बड़ा योगदान है।

एजेंसी

कांग्रेस नेता ने कहा कि 1948 से लेकर अब तक- जब पाकिस्तान की तरफ से कश्मीर पर हमला किया गया- हमारे देश की अखंडता की रक्षा करने में हमारे जवानों का बड़ा योगदान है। उन्होंने सवाल किया कि वहां (बैसरन घाटी, पहलगाम) एक भी सुरक्षाकर्मी क्यों मौजूद नहीं था? क्या नागरिकों की सुरक्षा प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी नहीं है? उन्होंने अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने आज नेहरू और इंदिरा गांधी के किए पर बात की। उन्होंने मेरी माँ के आँसुओं का भी ज़िक्र किया। लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि युद्धविराम की घोषणा क्यों की गई। प्रियंका गांधी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री

ने आज मेरी माँ के आँसुओं के बारे में बात की। मैं इसका जवाब देना चाहता हूँ। मेरी मां के आंसू तब गिरे, जब उनके पति को आतंकवादियों ने शहीद किया, जब वे सिर्फ 44 साल की थीं। आज जब मैं उन 26 लोगों (पहलगाम हमले के पीड़ितों) के बारे में बात करता हूँ, तो इसलिए कि मैं उनका दर्द समझती हूँ। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार हमेशा सवालों से बचने की कोशिश करती है... देश के नागरिकों के प्रति उनकी कोई जवाबदेही नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर को कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने बताया तमाशा

पूछा- इससे क्या हासिल हुआ

प्रणीति शिंदे ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर मीडिया में सरकार का एक 'तमाशा' था। कोई हमें यह नहीं बता रहा कि इस ऑपरेशन में क्या हासिल हुआ। कितने आतंकवादी पकड़े गए? हमने कितने लड़ाकू विमान गँवाए? इसके लिए कौन जिम्मेदार है और किसकी गलती है, इसका जवाब सरकार को देना चाहिए।

एजेंसी

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर गरमागरम चर्चा के दौरान, कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने सैन्य अभियान को मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा रचा गया एक तमाशा बताकर राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया। इस टिप्पणी को तुरंत आधिकारिक संसदीय रिकॉर्ड से हटा दिया गया।

मुठभेड़ कल ही क्यों हुई? ऑपरेशन महादेव पर अखिलेश ने उठाए सवाल

चीन को बताया राक्षस

अखिलेश यादव ने कहा कि आज जब हम संसद में यह चर्चा कर रहे हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि देश का कुल क्षेत्रफल कितना है। यादव ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा वाले दिन ही कश्मीर में ऑपरेशन महादेव संचालित होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुठभेड़ कल ही क्यों हुई।

एजेंसी

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि आखिर ऐसी क्या वजह थी कि सरकार को युद्धविराम की घोषणा करनी पड़ी? उन्होंने तंज

भरे लहजे में कहा कि हमें तो उम्मीद थी कि सरकार खुद ही इसकी घोषणा कर देगी। लेकिन चूंकि उनकी गहरी दोस्ती है, इसलिए सरकार ने अपने दोस्त से ही युद्धविराम की घोषणा करने को कहा। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी कौन लेगा? सरकार जो दावा करती है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद कोई आतंकवादी घटना नहीं होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि आज जब हम संसद में यह चर्चा कर रहे हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि देश का कुल क्षेत्रफल कितना है। यादव ने संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा वाले दिन ही कश्मीर में ऑपरेशन महादेव संचालित होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुठभेड़ कल ही क्यों हुई।

'भारत में आतंकी गतिविधियों के लिए करकर तैयार कर रहा स्लीपर सेल': एनआईए

एनआईए की जांच में खुलासा हुआ कि आतंकवादी संगठन के संचालक क्रिप्टो-वॉलेट के माध्यम से धन जुटाते हैं.

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की जांच से पता चला है कि इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) देश भर में आतंकी गतिविधियां चलाने के लिए स्लीपर सेल सक्रिय की कोशिश कर रहा है. एनआईए द्वारा गिरफ्तार कुछ आतंकवादियों से पूछताछ के बाद यह बात सामने आयी. आईएसआईएस युवाओं को कट्टरपंथ के जरिए भर्ती करने की कोशिश भी कर रहा है. संघीय एजेंसी ने इस संबंध में तमिलनाडु और महाराष्ट्र पुलिस को पहले ही सतर्क कर दिया है।

ऐलान 42% आरक्षण पर के कविता का बड़ा ऐलान

4, 5 और 6 अगस्त को भूख हड़ताल पर रहूंगी..

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी कलवकुंतला कविता ने सरकारी नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत राजनीतिक आरक्षण की मांग को लेकर 4, 5 और 6 अगस्त को 72 घंटे की भूख हड़ताल की घोषणा की है। कविता ने कहा कि तेलंगाना जागृति के बैनर तले आयोजित इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य राज्य और केंद्र दोनों सरकारों पर पिछड़ा वर्ग विधेयक पारित करने के लिए दबाव बनाना है। उन्होंने कहा कि पिछड़ों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की लड़ाई में हमारा एजेंडा यह सुनिश्चित करना है कि पिछड़ों को राजनीतिक शक्ति मिले।ह अतीत में तेलंगाना जागृति की भूमिका का हवाला देते हुए, उन्होंने याद किया कि तेलंगाना जागृति द्वारा 2018 के पंचायती राज अधिनियम में संशोधन की मांग के कारण ही राज्य सरकार ने एक अध्यादेश जारी किया था। कविता ने राज्यपाल से जुड़े लंबित विधेयकों और मुद्दों को लेकर अदालत जाने में तेलंगाना सरकार की अनिच्छा पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि तमिलनाडु में जब राज्यपाल किसी फैसले में देरी करते थे, तो वे अदालत जाते थे और फैसला हासिल करते थे। तेलंगाना सरकार राज्यपाल के पास लंबित मामलों को लेकर अदालत क्यों नहीं जा रही है? उन्होंने कांग्रेस और भाजपा पर एक गुप्त समझौते का आरोप लगाते हुए दावा किया कि यह

कविता ने कहा कि तेलंगाना जागृति के बैनर तले आयोजित इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य राज्य और केंद्र दोनों सरकारों पर पिछड़ा वर्ग विधेयक पारित करने के लिए दबाव बनाना है। उन्होंने कहा कि पिछड़ों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की लड़ाई में हमारा एजेंडा यह सुनिश्चित करना है कि पिछड़ों को राजनीतिक शक्ति मिले। अतीत में तेलंगाना जागृति द्वारा 2018 के पंचायती राज अधिनियम में संशोधन की मांग के कारण ही राज्य सरकार ने एक अध्यादेश जारी किया था।

गठबंधन तेलंगाना में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार को कानूनी कदम उठाने से रोक रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बीच एक गुप्त समझौते के कारण, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार इस मामले को अदालत में नहीं ले जा रही है। तेलंगाना के आरक्षण विधेयक में पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत, अनुसूचित जातियों के लिए 18 प्रतिशत और अनुसूचित जनजातियों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव है, जो मौजूदा क्रमशः 29 प्रतिशत, 15 प्रतिशत और 6 प्रतिशत से अधिक है। इसके साथ, तेलंगाना का लक्ष्य सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 70 प्रतिशत करना है,

जिसके लिए केंद्र की मंजूरी आवश्यक है। कविता ने जोर देकर कहा कि अगर केंद्र सरकार पर दबाव डालना जरूरी है, तो राज्य सरकार को सर्वोच्च न्यायालय में मामला दायर करना चाहिए।

क्रिकेट नहीं पीओके चाहिए! प्रमोद तिवारी बोले, गोली और गोला एक साथ नहीं चल सकते

एएनआई से बात करते हुए, तिवारी ने कहा कि मैं किसी का नाम नहीं लूँगा, लेकिन एक बात स्पष्ट रूप से कहूँगा कि ऑपरेशन सिंदूर या संसद में किसी भी अन्य मुद्दे को लेकर कांग्रेस में कोई विरोधाभास नहीं है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने मंगलवार को सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान संघर्ष विराम समझौते के लिए कौन ज़िम्मेदार था और किन परिस्थितियों में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बावजूद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंध क्यों जारी हैं। उन्होंने कहा कि गोली और गेंद एक साथ नहीं चल सकते। एएनआई से बात करते हुए, तिवारी ने कहा कि मैं किसी का नाम नहीं लूँगा, लेकिन एक बात स्पष्ट रूप से कहूँगा कि ऑपरेशन सिंदूर या संसद में किसी भी अन्य मुद्दे को लेकर कांग्रेस में कोई विरोधाभास नहीं है। हमारी बात स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री को ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए और जवाब देना चाहिए कि संघर्ष विराम के लिए कौन ज़िम्मेदार था। उन्हें ट्रंप द्वारा 28 बार किए गए दावों पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। पहलगाम में हुई 26 मौतों के लिए कौन ज़िम्मेदार है? उन्होंने सरकार द्वारा स्थिति से निपटने पर सवाल उठाते हुए कहा कि किन परिस्थितियों में हम पीछे हटे? गोली और गेंद एक साथ नहीं चल सकते। देश की भावना इस समय क्रिकेट के पक्ष में नहीं है। देश चाहता है कि पीओके भारत के मानचित्र का हिस्सा हो... वे कह रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।

सम्पादकीय

भगदड़ बन चुकी है रोज की खबर, लेकिन जवाबदेही किसी की नहीं हर हादसे के बाद वही लापरवाही

चिंता की बात यह है कि पूर्व की घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया जाता है। यही वजह है कि मनसा देवी मंदिर हादसे के दूसरे दिन पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की घटना हो गई। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और भीड़-भाड़ के बीच भगदड़ एक सामान्य घटना बनती जा रही है। कभी धार्मिक सभाओं के आयोजन, रेल में चढ़ते वक्त, तो कभी मंदिरों में भगदड़ से लोगों की जान जा रही है। मगर, चिंता की बात है कि इन घटनाओं से कहीं कोई सबक नहीं लिया जाता। हर बार गहन जांच, सख्त कार्रवाई और भविष्य में एहतियाती उपाय करने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है। उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर क्षेत्र में रविवार को भगदड़ में आठ श्रद्धालुओं की मौत इसी लापरवाही का नतीजा है। हैरत की बात है कि इससे अगले ही दिन उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के अवसानेश्वर मंदिर में भी ऐसी ही घटना में दो लोगों की मौत हो गई। ऐसा लगता है कि भगदड़ का एक सिलसिला शुरू हो गया है और व्यवस्थागत खामियों की सिलवटें हैं कि ठीक होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। बाराबंकी में मंदिर परिसर में भगदड़, करंट से दो श्रद्धालुओं की मौत और 29 घायल; बंदरों के कूदने से टूटे तार पिछले दिनों महाकुंभ में भगदड़ मचने से अनेक लोग मारे गए। इसके बाद बंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न में आयोजित समारोह में भगदड़ से कई लोगों की जान चली गई। इससे पहले हाथरस के एक आश्रम में हुई भगदड़ की घटना को भी नहीं भूलाया जा सकता। सवाल है कि आखिर ऐसी कितनी घटनाओं के बाद शासन और प्रशासन चेतेगा? मनसा देवी मंदिर में भगदड़ का कारण करंट फैलने की अफवाह को बताया जा रहा है। मगर, क्या इस तरह की अफवाह को हादसे में तब्दील होने से रोका नहीं जा सकता था? प्रशासनिक अमला इस तरह की आशंकाओं का अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? चिंता की बात यह है कि पूर्व की घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया जाता है। यही वजह है कि मनसा देवी मंदिर हादसे के दूसरे दिन पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की घटना हो गई। इसमें दोराय नहीं कि पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों समेत सार्वजनिक जगहों पर लोगों की भीड़ आए दिन बढ़ रही है। ऐसे में शासन-प्रशासन को भीड़ प्रबंधन के उपायों को सख्ती से लागू करना होगा और लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई अमल में लानी होगी। तभी व्यवस्था में सुधार की उम्मीद की जा सकती है।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशिः व्यापार के मामले में अपने काम धंधे को आगे बढ़ाने के लिए आपको नए तरीके से काम की शुरूआत करनी पड़ सकती है। कुछ ऐसी स्थिति स्थिति भी बन सकती है जो बाकी लोगों के लिए असुविधाजनक हो सकती है।

वृषभ राशिः कार्यक्षेत्र में कामकाज सही चलेगा और लाभ कमाने के नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल रहेगा। हो सकता है कि दोपहर तक आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिले, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। परिवार वालों के साथ भी आप सुखद समय बिताएंगे और रात में किसी मांगलिक कार्य में भी जा सकते हैं।

मिथुन राशि :कारोबार और नौकरी के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। आपके द्वारा लिए गए निर्णय और बनाई गई योजनाओं का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है। साथ ही, लाभ कमाने के अवसर भी मिलेंगे। अगर आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे, तो अब उससे भी छुटकारा मिल सकती है।

कर्क राशिः दिन आपके लिए ज्यादा अच्छा नहीं रहने वाला है। सुबह के समय कार्यक्षेत्र में कुछ प्रतिकूल परिस्थितियां देखने को मिल सकती हैं। ऐसे में कोई भी फैसला आपके लिए सोच-समझकर लेना बेहतर होगा और जल्दबाजी में भी निर्णय लेने से बचें।

सिंह राशि : दिन सामान्य से थोड़ा बेहतर रहेगा। कारोबार में कामकाज की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आता जाएगा। नौकरी करने वालों को किसी बड़े अधिकारी का सहयोग मिलने से कार्यस्थल में आपकी स्थिति और ज्यादा मजबूत होती जाएगी।

कन्या राशिः कार्यक्षेत्र में आपको अपने आसपास सही और गलत लोगों के बीच पहचान करनी होगी। अन्यथा कुछ लोग आपकी बातों का लाभ उठा सकते हैं और पीठ पीछे आपकी बुराई भी कर सकते हैं। सही दिशा मिलने की संभावना है।

तुला राशिः अगर आप व्यवसाय या कारोबार से जुड़ा कोई प्रस्ताव, योजना या कागजी काम करने वाले हैं, तो उसे दिन के समय पूरा कर लेना बेहतर होगा। जरूरी फैसले लेने के लिए आप दिन के तीसरे पहर का समय उत्तम रहने वाला है। इससे भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है। आपको किसी परीक्षा या प्रतियोगिता के लिए भी तैयार रहना होगा।

वृश्चिक राशिः कार्यक्षेत्र में काम आपके मन मुताबिक नहीं होगा और कुछ विपरीत परिस्थिति भी देखने को मिल सकती है, जिससे मन थोड़ा उदास रहेगा। साथ ही, आपको किसी भी व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना होगा, अन्यथा धोखा मिल सकता है। व्यापार के मामले में दिन मिलाजुला रहेगा।

धनु राशिः अगर व्यापार के मामले में कई दिनों से आपके छोटे-छोटे कार्यों में बाधाएं आ रही थीं या वे बीच में अटके हुए थे, तो स्थिति बेहतर हो सकती है।

मकर राशि :व्यापार के मामले में आपको कुछ नई जानकारियां प्राप्त हो सकती हैं, जिससे बौद्धिक क्षमता में भी बढ़ोतरी होगी। कामकाज के सिलसिले में किसी ऐसे व्यक्ति के साथ बातचीत या मुलाकात हो सकती है, जिससे आपको भविष्य में बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है। प्रियजनों की ओर से कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

कुंभ राशिःकार्यक्षेत्र में आपको अपने सभी जरूरी कार्यों को समय निपटाना होगा, जिसके चलते थोड़ी भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। नौकरी करने वालों का दिन भी व्यस्त रहने वाला है। वहीं, कुछ अपने लोग आपकी चिंता का कारण बन सकते हैं। ऐसे में धैर्य बनाए रखना बेहद जरूरी होगा।

मीन राशिः कार्यस्थल पर आपको बहुत सारे काम एक साथ करने पड़ सकते हैं, जिससे आपको प्रेशर महसूस होगा और पूरे दिन व्यस्त भी रहेंगे। सुबह के समय इन कार्यों को पूरा करने के लिए आपको मेहनत करनी होगी। क्योंकि दिन के बाद समय आपके लिए विपरीत हो सकता है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है।

पा बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं। वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए। भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरूआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है। बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं। बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलों ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहां चुनाव हुए और उन सभी लोगों ने चुनाव में हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर 'वोटों की चोरी' का आरोप लगा रहे हैं। वोटिंग में गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन बाकी चुनावों के मामले चुप्पी साध लेते हैं। राहुल गांधी पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग पर तल्ख, अमर्यादित और अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। असल में राहुल गांधी चुनाव आयोग और चुनाव मशीनरी को दबाव में लेना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने भाजपा के सत्ता में आने के बाद 'संविधान बदलने का खतरा' होने का मुद्दा उठाया था। इससे कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली थी। उसी तरह विपक्ष लोगों के बीच वोट खोने का डर और चुनाव में गड़बड़ी का मुद्दा उठाकर बढ़त हासिल करना चाहता है। इससे वह सत्ता पक्ष पर दबाव बनाने के साथ-साथ जनता के बीच अपनी पकड़ भी मजबूत करना चाहता है। यदि जनता के एक प्रतिशत लोगों के मन में भी अपना 'वोट खोने का डर' पैदा हो जाता है तो इससे पूरा चुनावी गणित बदल सकता है। कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल पूरी तैयारी के साथ इसी 'रणनीति' पर काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओं, मृतकों और एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने वाले मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे में एसआईआर का विरोध पूरी तरह से अतार्किक है। चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी डयूटी का हिस्सा है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावों में अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग पर बयानबाजी उसी का नतीजा है।

मनसा का मातमः अफवाह बनी त्रासदी की वजह

ललित गर्ग

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरूआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी।

भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की कोई ठोस और वैज्ञानिक व्यवस्था है? मनसा देवी मंदिर की सीढ़ियां, संकरे रास्ते और अव्यवस्थित दुकानों के बीच का क्षेत्र लंबे समय से भीड़भाड़ के लिए जाना जाता है। फिर भी वहां कोई स्थायी सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए? अफवाह पर नियंत्रण के लिए कोई त्वरित सूचना तंत्र नहीं था, न ही भीड़ को दिशा देने के लिए पर्याप्त पुलिस बल या मार्गदर्शन की व्यवस्था थी। इस तरह की घटनाएं केवल अफवाह का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि यह व्यवस्था की कमजोरियों एवं कोताही का परिणाम होती हैं। तीर्थस्थलों पर नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल टिकटिंग, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकासी मार्ग, और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं। मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लोग शामिल थे। उनमें छह वर्षीय बच्चा आरुष, किशोर और बुजुर्ग तक शामिल थे। उनके परिवारों पर अचानक दुख का पहाड़ टूट पड़ा। इस दौरान बचे हुए श्रद्धालुओं ने बताया कि भीड़ इतनी घनी थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। मनसा देवी मंदिर की यह घटना हमें याद दिलाती है कि भीड़ सिर्फ भक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि अगर उसे सही दिशा और सुरक्षा नहीं दी जाए तो वह भयावह त्रासदी में बदल सकती है। यह समय है कि प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट और समाज मिलकर ठोस कदम उठाएं

भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा ई-कचरा उत्पादक

पुनीत उपाध्याय

भारत में बढ़ता ई-कचरा या ई-वेस्ट गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक कचरा या ई-कचरा दर असल बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का वेस्ट है। राज्यसभा में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों का हवाला देकर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2022-23 तक ई-कचरे के उत्पादन में क्रमिक वृद्धि हुई हालांकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में इसमें कमी आई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इसमें मामूली वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश में 13 लाख 97 हजार मीट्रिक टन ई-कचरा पैदा हुआ। इससे पहले 16 दिसंबर 2024 को सरकार ने राज्यसभा में बताया था कि पिछले पांच वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उत्पादन में भारी वृद्धि देखी गई जो 2019-20 में 1.01 मिलियन मीट्रिक टन से बढ़कर 2023-24 में 1.751 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है। राष्ट्रीय स्तर के आंकड़े 2019-20 से ई-कचरा उत्पादन में चिंताजनक 72.54 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ते हैं जो देश भर में इलेक्ट्रॉनिक और बिजली उपकरणों के बढ़ते उपयोग को दशार्ता है। स्मार्टफोन और लैपटॉप से लेकर उन्नत औद्योगिक और चिकित्सा उपकरणों तक. तकनीक आर्थिक विकास, कनेक्टिविटी और नवाचार की रीढ़ बन गई है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर इस बढ़ती निर्भरता का नुकसान भी है जिसे इलेक्ट्रॉनिक कचरे के रूप में जाना जाता है। भारत में 95 फीसदी कचरे का उचित निस्तारण नहीं दुनिया के शीर्ष ई-कचरा उत्पादकों (चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और जर्मनी) में शुमार भारत के सामने ई-कचरे के प्रबंधन की एक कठिन चुनौती है। भारत में ई-कचरे की मात्रा छह वर्षों में 151.03 फीसदी बढ़कर 2017-18 में 7 लाख 8 हजार 445 मीट्रिक टन से बढ़कर 2023-24 में 17 लाख 78 हजार 400 मीट्रिक टन हो गई जिसमें 1 लाख 69 हजार 283 मीट्रिक टन की वार्षिक वृद्धि हुई है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा ई-कचरा उत्पादक है। यहां उत्पन्न होने वाले लगभग 95 फीसदी ई.कचरे को या तो जला दिया जाता है या लैंडफिल में फेंक दिया जाता है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ यह संख्या और भी बढ़ेगी और साथ ही स्वास्थ्य को खतरा पैदा करने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ई-कचरा दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते ठोस अपशिष्ट स्रोतों में से एक है। 2022 में वैश्विक स्तर पर अनुमानित 62 मिलियन टन ई-कचरा उत्पन्न हुआ।

केवल 22.3 का ही का ही औपचारिक रूप से संग्रहण और रिसाइकिल किया गया। चिंता की बात यह है कि सीसा एक सामान्य पदार्थ है जो पर्यावरण में तब उत्सर्जित होता है जब ई-कचरे को खुले में जलाने सहित अनौपचारिक गतिविधियों के माध्यम से पुनर्चक्रित, संग्रहीत या डंप किया जाता है। अनौपचारिक ई-कचरा निस्तारण के कई प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव हो सकते हैं। बच्चे और गर्भवती महिलाएं विशेष रूप से असुरक्षित हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दुनिया भर में अनौपचारिक रिसाइकिल क्षेत्र में काम करने वाली लाखों महिलाओं और बाल श्रमिकों को खतरनाक ई-कचरे के संपर्क में आने का खतरा हो सकता है। उत्पादन.रिसाइकिल में बड़ा गैप. पांच गुना अंतर आ चुका संयुक्त राष्ट्र के चौथे वैश्विक ई-कचरा मॉनिटर के अनुसार दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक कचरे का उत्पादन इसकी रिसाइकिलिंग की तुलना में पांच गुना तेजी से बढ़ रहा है। 2022 में रिकॉर्ड 62 मिलियन टन; ई-कचरा उत्पन्न हुआ जो 2010 से 82 फीसदी अधिक है। 2030 में 32 फीसदी और बढ़कर 82 मिलियन टन होने की संभावना है जिससे अरबों डॉलर मूल्य के रणनीतिक रूप से मूल्यवान संसाधन बर्बाद होंगे। दुनिया भर में ई-कचरे का वार्षिक उत्पादन 26 लाख टन की दर से बढ़ रहा है जो 2030 तक 8.2 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना है।

पीडीए ने 12 अवैध निर्माण को किया सील

प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन

भारत संवाद

प्रयागराज, विकास प्राधिकरण की तरफ से शहर में हो रहे अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन जारी है। जहां मंगलवार को प्रयागराज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अधिकारियों के साथ मीटिंग कर रहे थे। वहीं दूसरी तरफ पीडीए यानी प्रयागराज विकास प्राधिकरण एक्शन में थे। पीडीए की तरफ शहर के झलवा इलाके में हो रहे 12 अवैध निर्माण को सील किया गया। इसके साथ ही चेतावनी दी गई कि बगैर इजाजत के निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया जाएगा। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से मंगलवार को विधानसभा शहर पश्चिमी में कार्रवाई की गई। पीडीए सचिव अजीत कुमार सिंह ने बताया कि इस दौरान पहले से चिन्हित 12 अवैध निर्माण को सील किया गया। इसमे देवघाट झलवा में मुकेश विश्वकर्मा, मुबारकपुर कोटवा में करन यादव, अमन सिंह, राकेश सिंह की तरफ से बगैर नक्शा पास कराए हो रहे अवैध निर्माण को सील किया गया। इसी प्रकार एयरपोर्ट बाउंड्री के

बगल झलवा में ही केपी शुक्ला, संजीव सिंह, मनोज सिंह, मोहित केसरवानी, गिरीश चंद्र पाल, ऊषा देवी, सतीश चंद्र, अरविंद तिवारी और रिशभ की ओर से कराए जा रहे अवैध निर्माण को सील किया। इस दौरान प्राधिकरण की तरफ से जोनल अधिकारी के साथ ही अवर अभियंता रूपेश पटेल, सुपरवाइजर देव पूजन मिश्रा, संतोष तिवारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री नन्दी ने प्रयागराज से नैनी और करैलाबाग से मड़ौका तक यमुनापुल के समानान्तर एक और पुल निर्माण का रखा प्रस्ताव

479 करोड़ की लागत से करैताबाग से मड़ौका मार्ग पर यमुना नदी पर पुल निर्माण का प्रस्ताव रखा।

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री एवं प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विधायक नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित प्रयागराज एवं विंध्याचल मंडल की बैठक में सम्मिलित हुए।मंत्री नन्दी ने प्रयागराज मंडल की समीक्षा बैठक के दौरान अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में बढ़ती आबादी एवं पातायात के दबाव को देखते हुए मुख्यमंत्री के समक्ष प्रयागराज से नैनी मार्ग पर 620 करोड़ की लागत से न्यू यमुना सेतु के समानान्तर एक और पुल एवं 479 करोड़ की लागत से करैताबाग से मड़ौका मार्ग पर यमुना नदी पर पुल निर्माण का प्रस्ताव रखा। मंत्री नन्दी ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्य से सम्बंधित प्रस्ताव रखते हुए विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कहा कि यमुनापार नैनी क्षेत्र का लगातार विस्तार हो रहा है। नैनी क्षेत्र में ही औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार होने से भी आवागमन बढ़ता जा रहा है।ऐसे में प्रयागराज से नैनी के मध्य न्यू यमुना पुल के समानान्तर एक और पुल के निर्माण की आवश्यकता है। वहीं करेलाबाग से नैनी मड़ौका के बीच यमुना नदी पर पुल का निर्माण होने से लोगों को आवागमन में काफी सहुलियत होगी।

फास्ट ट्रैक

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा विवाहिता को बहला-फुसला के भगाने व धर्मपरिवर्तन करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना विन्ध्याचल, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 28.07.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की विवाहिता पुत्री को बहला-फुसला के भगाने व धर्मपरिवर्तन कराने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-254/2025 धारा 84 बीएनएस व 3/5(1) विधि विरूद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधि. पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना विन्ध्याचल को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 29.07.2025 को उप-निरीक्षक शशिभूषण मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्रांतर्गत गैपुरा तिरहा से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त शाहरूख पुत्र शैकत अली निवासी पवारी खुर्द थाना हलिया जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा धारा 84 बीएनएस व 3/5(1) विधि विरूद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधि. में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना पड़री पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पड़री पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः29.07.2025 को उप निरीक्षक दयाराम यादव मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी छटंकी पुत्र कल्लू निवासी ग्राम पहाड़ी भोजपुर थाना पड़री जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना कछवा जनपद मीरजापुर द्वारा साइबर जागरूकता के लिए कार्यशाला का आयोजन

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पयर्वेक्षण में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्र में साइबर अपराध से बचाव हेतु साइबर जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है जिसके क्रम में आज दिनांक 29/07/2025 साइबर अपराध के घटनाओं के रोक-थाम के लिये थाना कछवा व साइबर क्राइम पुलिस थाना जनपद मीरजापुर द्वारा विंध्य महिला महाविद्यालय कनकसराय, कछवा जनपद मीरजापुर में अध्ययनरत छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव व सावधानिया बरतने के बारे में बताया गया जिसमें थाना साइबर मीरजापुर के प्रभारी निरीक्षक राम अधार यादव द्वारा साइबर अपराध के प्रकार की जानकारी दी गयी तथा साइबर अपराध क्या है, साइबर अपराध के प्रकार तथा उनसे कैसे बचा जाये उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा प्रभारी निरीक्षक थाना कछवा अमरजीत चौहान द्वारा साइबर की दुनिया में नया अपराध डिजिटल गिरफ़्तारी व उसके बचाव के बारे में जानकारी दी गयी एवं नि0 धर्मेंद्र कुमार साइबर थाना मीरजापुर द्वारा राष्ट्रीय साइबर हेल्प नंबर 1930/साइबर क्राइमपोर्टल की वेबसाईट पर अपनी शिकायत दर्ज कैसे करें, उ0नि0 अरविन्द यादव साइबर थाना मीरजापुर द्वारा फेसबुक पर सेक्सटोर्शन, स्क्रीन शेयरिंग एप के जरिये फजीर्वाड़ा, आनलाइन खरीदारी, टेलीग्राम एप्लीकेशन के माध्यम से ठगी व आरक्षी संजीत मौर्या साइबर सेल कछवा द्वारावढक, इण्टरनेट बैंकिंग के अपराध, सोशल मीडिया पर होनेवाले अपराध व उनसे बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।

मनरेगा से बदली ग्रामीण तस्वीरःहर हाथ को मिल रहा काम

मनरेगा मे महिला सहभागिता, समयबद्ध भुगतान और वृक्षारोपण में यूपी बना आदर्श मॉडल

- मानव दिवस सृजन मे देश के अग्रणी राज्यो मे शामिल
- मनरेगा योजना के अंतर्गत लगातार श्रमिकों को गांव में ही मिल रहा रोजगार
- बीते वर्ष 100 दिवस का रोजगार दिलाने में देश में पहले स्थान पर रहा उत्तर प्रदेश
- उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में ग्राम्य विकास योजनाओं को मिली नई रफ्तार

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में ग्राम्य विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी, पारदर्शी एवं तेज गति से किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य ग्रामीणों का सतत विकास एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान करें और विकास कार्यों में पूरी पारदर्शिता बरती जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव व गरीबों के उत्थान के लिए दृढ़ संकल्पित है और इसके लिए निरतंर प्रयास कर रही है। ग्राम्य विकास विभाग द्वारा मुख्य रूप से मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना/मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना आदि प्रमुख योजनाएं संचालित की जा रही है, जिसमें उत्तर प्रदेश ने लगातार पिछले कई वर्षों से अच्छी प्रगति किया है तथा कई योजनाओं/घटको के क्रियान्वयन में देश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश ने मानव दिवस सृजन में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए रोजगार सृजन हेतु ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वार्षिक भौतिक लक्ष्य 26 करोड़ मानव दिवस निर्धारित किया गया, जिसके सापेक्ष प्रदेश द्वारा 33.65 करोड़ मानव दिवस सृजित किए गए। मानव दिवस सृजन में प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर रहा। बीते वर्ष 2024-25 में उत्तर प्रदेश राज्य देश में सर्वाधिक व्यय करने वाला राज्य रहा। वर्तमान वित्तीय वर्ष में मानव दिवस सृजन में महिला सहभागिता 43% है, जो कि ऐतिहासिक प्रगति है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में 20 करोड़ मानव दिवस सृजन का लक्ष्य है, इस वर्ष लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 12.76 करोड़ मानव दिवस सृजित किये गये हैं, मनरेगा मे चालू वर्ष में अब तक महिलाओं द्वारा 5.47 करोड़ मानव दिवस सृजित किये गये हैं। हरित विकास और खेल अवसंरचना में उल्लेखनीय प्रगति हुयी है।प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2025-26 में 13.21 करोड़ पौधों का रोपण किया गया है, जिसमें से 98.75% पौधों की जिओ टैगिंग वन विभाग की हरीतिमा एप पर कर दी गयी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6589 खेल मैदान का कार्य पूर्ण किया गया एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में 13,196 खेल मैदान पर कार्य प्रगतिशील हैं। बीते वित्तीय वर्ष में 100 दिन का रोजगार पाने वाले परिवारों में यूपी शीर्ष पर रहा। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.19 लाख परिवारों को 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया गया जो कि देश में सर्वाधिक रहा एवं यूपी मनरेगा के इतिहास में रहा सर्वाधिक रहा (कोविड काल को छोड़कर)।

रेल संरक्षा आयुक्त ने किया जिवनाथपुर - नारायनपुर बाजार - कैलहट खण्ड के मध्य नवनिर्मित तीसरी लाइन का निरीक्षण

भारत संवाद

आज दिनांक 29 जुलाई, 2025 को रेल संरक्षा आयुक्त /पूर्वोत्तर परिमंडल, श्री प्रणजीव सक्सेना ने पं. दीनदयाल उपाध्याय - प्रयागराज खंड के मध्य चल रहे तृतीय रेल लाइन परियोजना के कार्य के अंतर्गत कैलहट - नारायनपुर बाजार - जिवनाथपुर के मध्य नवनिर्मित तीसरी लाइन (14.41 कि. मी.) का संविधिक निरिक्षण किया ।इस निरीक्षण के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/ उत्तर मध्य रेलवे, श्री विपिन कुमार; मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज मण्डल श्री रजनीश अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/सामान्य, श्री मयंक राणा; वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, श्री यू सी शुक्ला; वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर/सिग्नल, श्री उज्वल गुप्ता; वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, श्री वीरेंद्र वर्मा; वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट, श्री अतुल यादव; वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/समन्वय, श्री सीताराम प्रजापति एवं अन्य अधिकारी व निरीक्षक उपस्थित रहे । रेल संरक्षा आयुक्त /पूर्वोत्तर परिमंडल, श्री प्रणजीव सक्सेना ने सर्वप्रथम कैलहट स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान स्टेशन मास्टर कक्ष में प्रपत्रों के साथ कार्य प्रणाली को बारीकी से देखा तत्पश्चात आईपीएस कक्ष एवं रिलेरूम कक्ष एवं इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग की गहनता से जांच की। निरिक्षण के बढ़ते हुए क्रम में रेल संरक्षा आयुक्त महोदय द्वारा कैलहट से नारायणपुर बाजार एवं नारायणपुर बाजार से जीनाथपुर खंड का मोटर ट्रॉली निरीक्षण किया गया। मोटर ट्राली से निरिक्षण के दौरान तीसरी लाइन के पॉइंट्स एवं बॉक्स इत्यादि की बारीकी से जांच पड़ताल की ।निरीक्षण के क्रम में रेल संरक्षा आयुक्त महोदय ने नारायनपुर बाजार स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया ।इस दौरान उन्होंने स्टेशन मास्टर कक्ष

एवं रिलेरूम एवं इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग की बिन्दुबार जानकारी ली, सम्बंधित प्रपत्रों का अवलोकन कियो इस अवसर पर उन्होंने ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर की कार्यप्रणाली संबंधी जानकारी को भी परखो निरीक्षण के अगले क्रम में रेल संरक्षा आयुक्त ने सीआरएस स्पेशल गाड़ी से जिवनाथपुर - कैलहट खंड में स्पीड ट्रायल परीक्षण किया ।इस दौरान निरिक्षण स्पेशल को 120 की अधिकतम गति पर चला कर ट्रैक की गुणवत्ता सहित अन्य बिन्दुओं का भी अवलोकन किया

ऑल इंडिया गार्ड काउंसिल का चुनाव संपन्न अरूण कुमार बने अध्यक्ष

भारत संवाद

प्रयागराज।उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल का तीन दिवसीय 26,27,28 का चुनाव संपन्न हुआ ,चुनाव उपरांत करीब 3:30 बजे दिन से 20:00 बजे तक गिनती हुई , जिसमें ऊपरोक्त निर्वाचित हुए। अध्यक्ष पद पर संतोष शर्मा द्वारा प्रस्तावित प्रत्याशी अरूण कुमार श्रीवास्तव ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी विनय कुमार माधव को 14मतों से पराजित कर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। सचिव पद पर राकेश कुमार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नीरज को 22मत से हराते हुए जीत हासिल की , कोषाध्यक्ष पद पर मनोज कुमार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जयसिंह कुमार को 61मत से हराकर जीत हासिल की। वहीं संगठन मंत्री पद पर कृष्णानंद भारती ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मुकेश कुमार झा को 48मतो से हराकर जीत हासिल की। चुनाव परिणाम के बाद विजयी प्रत्याशियों के समर्थक उत्साह और उमंग के साथ एक दूसरे को गले लगाकर बाधाईयां दी, अध्यक्ष अरुण कुमार के प्रस्तावक संतोष शर्मा ने सभी समर्थकों को बधाई देते हुए कहा कि, आप लोगो ने जीतोड़ मेहनत की जिसका परिणाम हमारे सामने अध्यक्ष पद के रुप में है,हम उन सभी को बधाई का पात्र मानते हैं जिन्होंने परोक्ष या अपरोक्ष रूप हमारे समर्थन में रहे, उन्होंने अपरोक्ष रूप से मदद करने वाले ट्रेन मैनेजर के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

मण्डलायुक्त ने एक करोड़ से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक कर प्रगति के बारे में ली जानकारी

भारत संवाद

मीरजापुर - मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में एक करोड़ से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आहूत की गई। मण्डलायुक्त ने सभी मण्डलीय अधिकारी व सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि कराए जा रहे कार्यो की अगली बैठक से फोटोग्राफ के साथ बैठक में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी कार्यदायी संस्था यह सुनिश्चित करे कि शासन द्वारा समय निर्धारित समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा

कराना सुनिश्चित करें। बैठक में पटवध पेयजल योजना में कार्य प्रगति धीमी होने पर अधिशासी अभियंता जल ग्रामीण सोनभद्र व अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे सोनभद्र को चेतावनी जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे सोनभद्र को निर्देशित किया कि परियोजना का निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जनपद सोनभद्र की समीक्षा के दौरान कार्यदायी संस्था विद्युत पारेषण खण्ड राबर्टसगंज उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लिमिटेड के द्वारा 220 केवी उपकेन्द्र म्योरपुर का निर्माण के प्रगति के बारे में बताया गया कि इस योजनान्तर्गत 04 प्रोजेक्ट पर कार्य चल रहा है, कार्य में प्रगति न होने पर मण्डलायुक्त द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि अगले बैठक से पूर्व प्रगति लाए अन्यथा कड़ी कार्यवाही की जाएगी। अधिशासी अभियंता जल ग्रामीण सोनभद्र के द्वारा पटवध पेयजल योजना की प्रगति के बारे में बताया गया कि इस योजनान्तर्गत 643 ग्राम पंचायतों में से 203 ग्राम पंचायतो में जलापूर्ति की जा रही है शेष ग्राम पंचायतों में टेस्टिंग का कार्य व कमिशनिंग का कार्य प्रगति पर है निर्देशित किया गया कि कार्य को शीघ्र अतिशीघ्र पूर्ण कराया जाए ताकि ग्रामीण पेयजल आपूर्ति की जा सकें। झीलो बीजपुर पेयजल योजना में कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्व बताया गया था कि जुलाई 2025 तक कार्य पूर्ण करा लिया जाएगा परन्तु अभी तक कार्य पूर्ण न होने पर मण्डलायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि मजदूरो की संख्या बढ़ाते हुए अगस्त 2025 तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। बेलाही पेयजल योजना जून 2025 कार्य पूर्ण होना था किन्तु कार्य अभी तक पूर्ण नही हुआ है बताया गया कि 210 ग्राम पंचायतों में से 161 ग्राम पंचायतों कार्य हो रहा है

स्वामी चिदानन्द सरस्वती — सनातन संस्कृति की गूढ़ चेतना का पर्व नागपंचमी

नागपंचमी, प्रकृति, सहअस्तित्व और श्रद्धा का पर्व

भारत संवाद

ऋषिकेश। नागपंचमी के पावन पर्व की समस्त श्रद्धालुजनों को परमार्थ निकेतन से मंगलमय शुभकामनाएँ देते हुये स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि यह पर्व न केवल श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है, अपितु हमारी सनातन संस्कृति की उस अद्भुत परंपरा को भी उजागर करता है, जो समस्त सृष्टि के साथ सह-अस्तित्व, संवेदना और सामंजस्य का संदेश देती है। स्वामी जी ने कहा कि सनातन धर्म में नागों को अत्यंत पवित्र और दिव्य माना गया है। भगवान शिव ने वासुकी नाग को अपने गले में हार के रूप में धारण कर नाग देवता के प्रति श्रद्धा का संदेश दिया। भगवान विष्णु स्वयं शेषनाग के शैय्या पर विराजमान होकर यह संदेश देते हैं कि नाग, शक्ति, संतुलन और धैर्य का प्रतीक हैं। हमारे धर्मग्रंथों में नागों का उल्लेख कई रूपों में आता है, चाहे वो कद्रू के पुत्र हों, शेषनाग हों, वासुकी हों, तक्षक हों या कर्कोटक। इन सबका स्थान देवत्व और संरक्षण के संदर्भ में अत्यंत उच्च है। नागपंचमी का पर्व के अवसर पर वर्षा ऋतु अपने चरम पर होती है और सर्पों का प्राकृतिक आवास जलभराव और भूमि परिवर्तन के कारण प्रभावित होता है। ऐसे समय में हम नागों की पूजा कर न केवल धार्मिक आस्था प्रकट करते हैं, बल्कि उनके संरक्षण का संकल्प भी लेते हैं। यह पर्व हमें संदेश देता है कि सर्प भी उसी प्रकृति का अंश हैं, जिससे हम स्वयं उत्पन्न हुए हैं।आज नागपंचमी का पर्व हमें यह संदेश देता है कि हम पंचतत्वों, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा रखें। नाग इन पंचतत्वों से गहराई से जुडे हुए हैं, विशेषकर पृथ्वी और जल से। इस दिन नागों की पूजा कर हम उन अदृश्य संतुलनों को स्वीकार करते हैं, जो ब्रह्मांड को सुचारु रूप से संचालित करते हैं।नागदेवता की पूजा करने से केवल भय दूर नहीं होता, बल्कि जीवन में आध्यात्मिक ऊर्जा, कुंडलिनी जागरण और शुभता का संचार होता है। योग परंपरा में नाग को कुंडलिनी शक्ति का प्रतीक माना गया है, जो मानव चेतना के सात चक्रों को जाग्रत कर आत्मबोध की ओर ले जाती है।आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैवविविधता ह्रास और पारिस्थितिक असंतुलन की चुनौतियों से जूझ रही है, तब नागपंचमी जैसा पर्व हमें याद दिलाता है कि यदि हम प्रत्येक प्राणी, प्रत्येक वृक्ष, प्रत्येक नदी और प्रत्येक जीवधारी के साथ करुणा और सहअस्तित्व का भाव नहीं रखेंगे, तो हमारी अपनी अस्तित्व श्रृंखला टूट जाएगी। नाग देवता की पूजा इसी सह-अस्तित्व की स्वीकारोक्ति है।हमारे ऋषियों ने हमें संदेश दिया कि धर्म केवल मंदिरों तक सीमित नहीं है, वह तो प्रत्येक जीव मात्र में ईश्वर का दर्शन करने की साधना है। नागपंचमी इस दर्शन का सजीव उदाहरण है। आज इस पर्व पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम केवल पूजा तक सीमित न रहें, बल्कि सभी जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाएँ। नागपंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह सनातन संस्कृति की गहराइयों में छिपी उस चेतना की अभिव्यक्ति है, जो सृष्टि के प्रत्येक अंश में ईश्वर का निवास मानती है। यह पर्व हमें सिखाता है कि भय नहीं, श्रद्धा से जियें, दोहन नहीं, संवर्धन करें, और अधिकार नहीं, कर्तव्य का भाव रखें।इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर संकल्प लें कि हम न केवल नाग देवता की पूजा करेंगे, बल्कि धरती पर हर जीव के प्रति दया, करुणा और सह-अस्तित्व का भाव रखते हुए जीवन को परमात्मा की सेवा का माध्यम बनाएँगे।

अतीक के करीबी मुजफ्फर के भतीजे की हिरासत पर हंगामा

महिलाओं ने नवाबगंज थाने का किया घेराव, ब्लॉक प्रमुख पर गो तस्करी के आरोप

भारत संवाद

प्रयागराज, माफिया अतीक के करीबी गो तस्करी के आरोपी मोहम्मद मुजफ्फर के भतीजे की कथित हिरासत को लेकर नवाबगंज थाने पर मंगलवार को भारी हंगामा हुआ। कौड़ीहार ब्लॉक के सपा ब्लॉक प्रमुख मोहम्मद मुजफ्फर के भतीजे मोहम्मद जैद को बीती रात पुलिस द्वारा घर से उठाए जाने के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने थाने का घेराव किया। नवाबगंज थाना क्षेत्र के चफरी गांव निवासी जैद को परिजनों के अनुसार रात में पुलिस ने जबरन घर में घुसकर हथियार के बल पर उठाया। इस कार्रवाई से नाराज ग्रामीण, विशेषकर बड़ी संख्या में महिलाएं थाने पहुंचीं। उन्होंने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और हिरासत को अवैध बताया। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने मोहम्मद जैद को क्यों हिरासत में लिया, इसकी कोई स्पष्ट वजह नहीं बताई गई। न तो कोई सूचना दी जा रही है और न ही परिजनों को मिलने दिया जा रहा है। मौके पर पहुंची महिलाओं ने कहा कि पुलिस की यह कार्रवाई पूरी तरह गलत है। उन्होंने इसे राजनीतिक द्वेष का हिस्सा बताया। बताया जा रहा है कि मोहम्मद जैद के चाचा और सपा ब्लॉक प्रमुख मोहम्मद मुजफ्फर वर्तमान में जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

परिजनों ने पुलिस पर दबाव बनाने और प्रताड़ना के मकसद से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है।

एडवांस्ड रोबोटिक सर्जरी ने मरीज को एनोरेक्टल कैंसर से दिलाई जीतः डा. चिराग जैन

भारत संवाद

सहारनपुर। कैसे रोबोटिक सर्जरी कैंसर देखभाल के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, विशेषकर जटिल स्थितियों वाले बुजुर्ग मरीजों के लिए। इस तकनीक की मदद से हम छोटे चीरे के माध्यम से बेहद सटीक सर्जरी कर सकते हैं, जिससे शरीर को कम आघात पहुंचता है, संक्रमण का खतरा कम होता है और रिकवरी तेज होती है।उक्त जानकारी आज यहां अम्बाला रोड स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के डा. चिराग जैन ने दी। उन्होंने बताया कि 70 वर्षीय मरीज की एक जटिल रोबोटिक कैंसर सर्जरी सफलतापूर्वक की, जिससे उन्हें एक नई जिंदगी मिली।

डॉ. चिराग जैन ने बताया, ह्यमिस्टर खेम सिंह को 2023 में एनोरेक्टल कैंसर का पता चला था। तब से वे देहरादून और दिल्ली-एनसीआर के स्थानीय अस्पतालों में कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी करवा रहे थे। लेकिन ओपन सर्जरी को लेकर उनके मन में डर था, जिसमें शारीरिक आघात, लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने और निशान पड़ने जैसी आशंकाएं शामिल थीं, इसलिए उन्होंने बार-बार सर्जरी से इनकार किया। इससे उनकी हालत और बिगड़ती गई। मार्च 2025 में हमारी सहारनपुर में आयोजित नियमित ओपीडी में उन्होंने हमसे परामर्श लिया। उनकी स्थिति को देखते हुए हमारी टीम ने उन्हें एडवांस्ड तकनीक से की जाने वाली, न्यूनतम कट के साथ की जाने वाली रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी एबडोमिनोपेरिनियल रीसैक्शन के बारे में जानकारी दी

महापौर व नगरायुक्त ने किया गोगा महाड़ी का निरीक्षण

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर निगम कर रहा युद्ध स्तर पर तैयारियां

भारत संवाद

सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सहारनपुर दौरे के दौरान जाहरवीर गोगाजी की महाड़ी पर जाना प्रस्तावित है। जिसके लिए नगर निगम अपनी तैयारियों को युद्ध स्तर पर अंतिम रुप दे रहा है। महापौर डॉ. अजय कुमार व नगरायुक्त शिपू गिरि ने आज निगम व स्मार्ट सिटी अधिकारियों के साथ गोगा महाड़ी स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। स्मार्ट सिटी द्वारा महाड़ी स्थल के निकट बनाया गया स्वच्छ कुण्ड गोगा महाड़ी मुख्यमंत्री के लिए आकर्षण का केंद्र होगा।

महापौर डॉ. अजय कुमार व नगरायुक्त ने महाड़ी स्थल तथा उसके निकट नवनिर्मित स्वच्छ कुण्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्यद्वार को अपग्रेड कराने तथा वहां सभी सड़कों पर इंटरलॉकिंग टाइल्स का कार्य तेजी से कराने तथा दीवार की मरम्मत कर उस पर पेंटिंग कराने के निर्देश दिए। मुख्य सड़क पर रैम्प और हैज लगाने का कार्य करने के अलावा मुख्य मंदिर पर पेंटिंग कराने को कहा। महापौर व नगरायुक्त ने शौचालयों की मरम्मत, पेड़ों के चारों ओर आयताकार संरक्षण के अतिरिक्त महाड़ी स्थल की मुख्य सड़क पर आरसीसी की नाली तथा कवर सहित अन्य नालियों की मरम्मत का कार्य कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त ऊपर से गुजर रही हाइटेंशन लाइन को शिफ्ट करने के लिए विद्युत विभाग से समन्वय बनाने के निर्देश भी दिए गए।

जलकल विभाग को श्रद्धालुओं के लिए दो वाटर कूलर, एक स्वच्छ कुण्ड के पास और एक गोगा महाड़ी परिसर में लगाने तथा खराब पम्प उखाड़कर शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए वहां बिछाई गयी पाइप लाइन से कनेक्ट कर प्याऊ लगाने के निर्देश दिए। मुख्य अभियंता निर्माण बी के सिंह ने महापौर व नगरायुक्त को बताया कि अनउपयोगी होने के कारण पुराने कुएं को कवर करा दिया गया है। नगरायुक्त ने श्रांत-विश्रांत श्रद्धालुओं के लिए बैंच लगवाने तथा सरोवर निर्माण करने वाली कार्यदायी संस्था यूपीआरएनएन को जाहरवीर गोगा जी महाड़ी पर लगने वाले मेले के महत्व सहित गोगाजी महाराज का संक्षिप्त इतिहास भी लिखवाने के निर्देश दिए ताकि आने वाले श्रद्धालु उनके सत्कर्मो को जाने-समझे और उससे प्रेरणा लेकर अपने जीवन को राष्ट्र की सेवा और जनकल्याण के कार्यो में लगा सके।

इसके अतिरिक्त स्मार्ट सिटी अधिकारियों को आवश्यक स्थानों पर सूचना बोर्ड लगाने, सरोवर स्थल की पूरी तरह साफ-सफाई तथा घास-फूंस कटिंग कराने, फर्श की मरम्मत कराने, सरोवर की सफाई तथा जल परिवर्तन कराने, प्रतिमाओं का रखरखाव ठीक से कराने, स्ट्रीट लाइट दुरुस्त कराने तथा शौचालय ब्लॉक की सफाई, सरोवर परिसर में पौधों का रखरखाव आदि ठीक करने के निर्देश दिए।

फास्ट ट्रैक

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बन्धु की बैठक संपन्न

प्रबंधक ईएसआई को औद्योगिक क्षेत्र के पास ही हॉस्पीटल अनुबंधित करने के दिए निर्देश

निवेश मित्र पार्टल पर प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित कराएं निस्तारण

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ संगीता सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में मण्डलीय उद्योग बन्धु बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन करते हुए संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेन्द्र कुमार ने बताया कि गत बैठक का कार्यवृत्त औद्योगिक इकाईयों एवं औद्योगिक संगठनों को भेजा गया है। बैठक के दौरान औद्योगिक क्षेत्र तालानगरी में ईएसआई हॉस्पीटल की शाखा खोले जाने के संबंध में उद्यमियों की मांग के अनुरूप औद्योगिक क्षेत्र के पास ही हॉस्पीटल अनुबंधित करने के निर्देश प्रबंधक ईएसआई हॉस्पीटल को दिए गए। आईटीआई रोड स्थित औद्योगिक आस्थान को निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराए जाने के लिए उद्यमी प्रेम विहारी वैश्य ने मण्डलायुक्त को अवगत कराया कि संबंधित फीडर से रिहायशी एवं निजी इकाईयों को विद्युत कनेक्शन देने और इंसुलेटेड वायर न होने के कारण विद्युत ट्रिपिंग का सामना करना पड़ रहा है। जिस पर मण्डलायुक्त ने औद्योगिक हित में विद्युत अधिकारियों को समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। मण्डलायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि निवेश मित्र पार्टल पर प्राप्त आवेदन पत्रों का निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण सुनिश्चित कराएं। अधिकारी समय-समय पर स्वयं पोर्टल चैक करते रहें ताकि आवेदन प्राप्त होते ही उसका निराकरण निर्धारित समय-सीमा में संभव हो सके। रोजगार योजनाओं की प्रगति समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में कासगंज की स्थिति पर मण्डलायुक्त द्वारा असंतोष प्रकट किया गया। समीक्षा में पाया 77 भौतिक लक्ष्य के सापेक्ष विभाग द्वारा 68 आवेदन पत्रों का प्रेषण किया गया जिस पर 14 को स्वीकृत व 06 को ऋण वितरण की कार्रवाई की गई। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना में प्रेषित आवेदनों के सापेक्ष स्वीकृत एवं वितरण कम होने पर विभागीय अधिकारियों एवं बैंकर्स को और अधिक प्रयास कर अधिकाधिक ऋण वितरण के निर्देश दिए गए। मण्डलायुक्त ने उद्यमियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए सीईओ स्मार्ट सिटी समेत विद्युत, पुलिस एवं यातायात विभाग के साथ बैठक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उपायुक्त श्रम को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता में शामिल अटल आवासीय विद्यालय टमकौली का समय-समय पर निरीक्षण करते हुए उसके सफल संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं।

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की प्रगति समीक्षा बैठक हुई आयोजित

जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी कार्यदायी संस्थाओं को कार्य में और प्रगति लाने के दिये गये निर्देश।

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में ओवरहेड टैंक, ट्यूबेल, पाइप लाइन, पम्प हाउस, सोलर इंस्टालेशन, हर घर जल, क्षतिग्रस्त सड़कों पर पुर्ननिर्माण व पाइप लाइन बिछाने की प्रगति आदि के सम्बन्ध में बिन्दुवार विस्तृत चर्चा की गयी।

1. जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत कार्यदायी संस्था-यूनिवर्सल, बी.टी.एल. व मिलेनियम के माध्यम से जनपद में निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि मासिक प्रगति लक्ष्य के अनुरूप कार्य कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिशाषी अभियन्ता जल जीवन मिशन (ग्रामीण) को निर्देशित किया कि मिलेनियम के कार्य की अत्यंत धीमी प्रगति के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही हेतु शासन को पत्र प्रेषित किया जाय।

2. विभिन्न एजेंसियों द्वारा अब तक कुल लक्ष्य के सापेक्ष कुल- 154 ओवरहेड टैंक का निर्माण किया जा चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदायी संस्था बी.टी.एल. को निर्देशित करते हुए कहा गया कि अगले माह की समीक्षा से पहले लक्ष्य के अनुरूप कार्य कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा की स्थिति में आपके विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि पाइप लाइन बिछाते समय क्षतिग्रस्त हो रही सड़कों के मरम्मत का कार्य सावधानी पूर्वक करें कहीं से कोई शिकायत नहीं आनी चाहिये।

3. जिलाधिकारी महोदय द्वारा सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जनपद के दूर वाले गॉव में भ्रमण कर यह सुनिष्चित किया जाए कि कोई भी ग्राम केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन से वंचित न रह जाये।

4. विभिन्न एजेन्सियों द्वारा अब तक कुल पाइप लाइन बिछाने के लक्ष्य 14408 कि0मी0 के सापेक्ष 14319 कि0मी0 का लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अवशेष बची पाइप लाइन बिछाने के लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि मैन पावर बढ़ाते हुए कार्य को समय पर पूरा करें।

5. जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया कि अवशेष बचे सिविल वर्क- पम्प हाउस निर्माण, बाउंड्रीवाल निर्माण, कैम्प के अन्दर के कार्य आदि को यथाशीघ्र पूर्ण करें।

6. जिलाधिकारी महोदय द्वारा टी.पी.आई. (थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन) एजेंसी को सख्त निर्देश दिये गये कि किये जा रहे कार्यों की पिछले एक माह की गुणवत्ता रिपोर्ट मुख्य विकास अधिकारी महोदय के समक्ष प्रस्तुत करें।

राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियानः लम्बित वादों के समाधान का सुनहरा अवसर

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0):न्यायिक प्रक्रिया में लंबित मामलों के शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियान 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मीडियेशन एवं कंसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है।अलीगढ़ में यह अभियान माननीय जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनुपम कुमार के निर्देशन में संचालित हो रहा है। इस अभियान के तहत दीवानी न्यायालय, परिवार न्यायालय, वाणिज्यिक न्यायालय, मोटरयान दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग सहित वाह्य स्थित न्यायालयों में लंबित मामलों का समाधान मध्यस्थता एवं सुलह केन्द्र, एडीआर भवन, दीवानी न्यायालय परिसर, अलीगढ़ के माध्यम से किया जा रहा है।अभियान के तहत वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवाविवाद, शमनीय आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति के बंटवारे, वेदखली, भूमि अधिग्रहण एवं अन्य उपयुक्त दीवानी विवादों का समाधान सुलह-समझौते के आधार पर किया जाएगा।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलीगढ़ के पूर्णकालिक सचिव एवं अपर जिला जज नितिन श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए

नाग पंचमी पर सर्प पूजन करते वैदिक ज्योतिष संस्थान के प्रमुख स्वामी पूणार्नंद पुरी जी महाराज

उत्तर मध्य रेलवे

No. : PSSA-2005-01R/E-Tender Notice/03 Dated : 28.07.2025

शुद्धि पत्र सं. 1

निविदा सूचना संख्याः पीएसएसए-2025-01R-ई टेंडर नोटिस-02 दिनांक **03.07.2025** के संदर्भ में निम्नलिखित शुद्धि पत्र जारी किया जा रहा है- **नोट-** आवश्यक संशोधन आईआरईपीएस पर शुद्धि पत्र संख्या-1 के रूप में प्रकाशित किए गए है। अन्य शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। **1165/25 (AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

No. : 230-Elect/TRD/PRYJ/E-Tender Notice/2025/570 Dated : 28.07.2025

शुद्धि पत्र संख्या 1

निविदा सूचना संख्या- 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/568 दिनांक **23.07.2025** के संदर्भ में निम्नलिखित शुद्धि पत्र जारी किया जा रहा है- **नोट-** आवश्यक संशोधन आईआरईपीएस पर शुद्धि पत्र संख्या-1 के रूप में प्रकाशित किए गए है। अन्य शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। **1301/25 (AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

रेलगाड़ियों का कपासन स्टेशन पर अस्थायी ठहराव

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **84वाँ दरगाह हज़रत दीवाना शाह उर्स मेला** के दौरान **कपासन रेलवे स्टेशन** पर निम्नलिखित रेलगाड़ियों का **2 मिनट** का अस्थायी ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया जा रहा है, जिसका विवरण निम्नवत है:—

गाड़ी संख्या एवं नाम	स्टेशन	समय		प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
		आगमन	प्रस्थान	
19665 खजुराहो - उदयपुर सिटी एक्सप्रेस	कपासन	04:51	04:53	31.07.2025 से 02.08.2025
19666 उदयपुर सिटी-खजुराहो एक्सप्रेस		23:22	23:24	01.08.2025 से 03.08.2025
12315 कोलकाता-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस		22:43	22:45	31.07.2025
19616 कामाख्या जं.-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस		21:55	21:57	31.07.2025

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन न0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1345/25 (C)

मुख्य विकास अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान की साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई सम्पन्न

भारत संवाद

सुलतानपुर, मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की अध्यक्षता व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 भारत भूषण की उपस्थिति में विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान के सम्बन्ध में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। उक्त बैठक में सभी मुख्य विभाग जैसे-चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास विभाग, पंचायती राज विभाग/ग्राम विकास विभाग, पशुपालन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग (आई0सी0डी0एस0) शिक्षा विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, कृषि एवं सिंचाई विभाग आदि से सम्बन्धित जनपद व ब्लाक स्तर पर माइक्रोप्लान, आशा/एएनएम प्रशिक्षण, शुकर पालकों में अवेयरनेस, मच्छरजनित स्थानों पर छिड़काव आदि के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा स्वच्छता अभियान में लम्भुआ, भदैया, बल्दीराय, जयसिंहपुर, धनपतगंज विकास खण्ड की प्रगति जिले के औसत से कम होने पर जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि एडीओ पंचायत के विरूद्ध स्पष्टीकरण जारी करें। इसी प्रकार कृषि विभाग की प्रगति धीमी होने पर जिला कृषि अधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रगति लाते हुए अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करें।दस्तक अभियान के अन्तर्गत विकास खण्ड धनपतगंज व भदैया में आशा बहुओं द्वारा डोर-टू-डोर विजिट किये जाने में जिले के औसत से कम होने पर सम्बन्धित को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। बैठक में उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों/मच्छर जनित क्षेत्रों में निरोधात्मक कार्यवाही हेतु पंचायती राज विभाग एवं नगर विकास विभाग को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये गये।

वृहद रोजगार मेले का सफल आयोजन, 324 अभ्यर्थी हुए चयनित

अलीगढ़ (सू0वि0): क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेंटर, राजकीय आई.टी.आई. और अमृता सिंह मैमोरियल डिग्री कॉलेज, तेजपुर के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को अमृता सिंह मैमोरियल डिग्री कॉलेज परिसर में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया।मेले का उद्घाटन कॉलेज के सचिव विक्रम सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी डा0 पीपीसी शर्मा ने बताया कि मेले में निजी क्षेत्र की 10 प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी नौकरियों के लिए कुल 394 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। इनमें से 324 अभ्यर्थियों का मौके पर ही चयन किया गया, जो कि मेले की सफलता का परिचायक है। रोजगार मेले के दौरान प्रतिभागी अभ्यर्थियों को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के क्षेत्रीय निदेशक अजय वर्धन आचार्य एवं सहायक जिला रोजगार सहायता अधिकारी राजीव कुमार चौधरी द्वारा कैरियर काउंसलिंग भी प्रदान की गई

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.:74- डब्लू- सीएसपी-25-26-02 **दिनांकः 24.07.2025**

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर / कंक्रीट स्लीपर प्लान्ट, उमरे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदा खुलने की निर्धारित तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा नं.:74-W-CSP-25-26-02	**अनुमानित मूल्य (₹) :** ₹ 52.62 लाख
कार्यों का विवरणः कंक्रीट स्लीपर प्लांट, सूबेदारगंज, प्रयागराज में ग्रेनाइट पत्थर के 20 मिमी नाममात्र आकार के मोटे समुच्चय की आपूर्ति।	
बयाने की रकम ₹ : ₹ 105200.00	**कार्य समापन की अवधि :** 12 महीना
निविदा खुलने की तिथि : 18.08.2025	

नोटः 1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिया जायेगा एवं खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। **2.** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रुप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरो को चाहिये कि वें अपने आपको **I. T. Act-2000** के अन्तर्गत **C.C.A** द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** निविदा की दरें पेज पर प्रविष्ट एवं डिजिटली हस्ताक्षरित विचारणीय होगा। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फर्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदा कर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। निविदाकर्ता को **IREPS Module** पर **Annexure-V** ऑनलाइन प्रस्तुत करना आवश्यक है। **5.** विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किये गये निविदा प्रपत्रों के देखें। **6.** बायाने की राशि केवल नेट बैंकिग अथवा गेटवे ई-भुगतान के रुप में ही स्वीकार की जायेगी। **7.** किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। **8.** ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है, तथा उसी दिन 15:30 बजे के बाद खोली जायेगी। **9.** माल और / सेवाओ के आपूर्तिकर्ता समय-समय पर लागू जी. एस. टी अधिनियम और नियमों के अधीन होंगे। **10.** रेलवे के पास, किसी भी टेण्डर को बिना कोई कारण बताए संशोधित / स्थगित / निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। **1318/25(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्याः 45-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 **दिनांकः 28.07.2025**

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक **12.08.2025** समय **15:00** बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्रम संख्याः 01 **निविदा सूचना संख्याः** ELG-90-2526

कार्य का नामः पी. आर. वाई.जे. डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों और प्रशासनिक भवन कार्यालयों के लिए विभिन्न अवसरों पर दो वर्षों तक सजावटी प्रकाश कार्य।

काम की लागत (रु.में): 39,11,759.52	**बिड सिक्योरिटी (रु.में):** 78,200.00

कार्य समाप्त करने की समयावधिः 24 माह, **निविदा खुलने की तिथिः 12.08.2025**, समय-**15:00 बजे**। **नोटः** 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज़ के साथ) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर **15:00** बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। **1330/25 (D)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या 25/35 **दिनांक : 25.07.2025**

ई-प्रापण टेण्डर नोटिस

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ.9001:2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
20253786	सिलिकॉन इम्प्रेग्नेटिंग रेज़िन	2458 किग्रा	25.08.2025
38251512	स्प्रिंग प्लैंक	2174 नग	28.08.2025
38252520	बोगी सेंटर पिवेट टॉप	6769 नग	16.09.2025
63245588	पीएससी टर्नआउट स्लीपर सेट्स फोर डायमंड क्रोस्सिंग विथ स्लिप फोर 1 इन 8.5 60 केजी/52 केजी टू सूट ड्राविंग नं. टी-5364/टी-5363/टी-6494 एण्ड पीएससी टी/ओ स्लीपर 60 केजी 1 इन 16, आर डी एस ओ ड्राविंग नं. टी-5691	35 सेट्स	01.09.2025
40253016	कैप्टन कवर्ड कॉपर कन्डक्टर	14228 कि.ग्रा.	19.08.2025
40253015	टेप पोलिमाइड फिल्म बैक्ड यूनिफार्म माइका	182277 कि.ग्रा.	28.08.2025
64255194	जॉएस्टिक कपलिंग, हॉस क्लिप एण्ड कनेक्टिंग पीस	880 नग	03.09.2025

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण **IREPS** वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें । समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। **1313/25 (C)**

@ CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रयागराज मण्डल के टूण्डला–अलीगढ़ सेक्शन में दाऊद खाँ–अलीगढ़ जं. स्टेशनों के मध्य नई तीसरी लाइन के संबंध में अलीगढ़ स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का शॉर्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन, रेग्युलेशन एवं रिशेड्यूलिंग किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:—

रेलगाड़ियों का शॉर्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	प्रभावी तिथि	स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन
04189	गोविन्दपुरी-अलीगढ़	31.07.2025 से 05.08.2025 तक	हाथरस जं.
04190	अलीगढ़-गोविन्दपुरी	31.07.2025 से 05.08.2025 तक	हाथरस जं.
64152	दिल्ली-अलीगढ़	05.08.2025	महरावल
54351	अलीगढ़-बरेली	05.08.2025	हरदुआगंज
54352	बरेली-अलीगढ़	05.08.2025	हरदुआगंज

रेलगाड़ियों का रेग्युलेशन

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	उत्तर मध्य रेलवे पर रेग्युलेशन (मिनट में)	रेग्युलेशन की तिथि
12419	लखनऊ-नई दिल्ली	100 मिनट	05.08.2025
12815	पुरी-आनन्द विहार (ट.)	75 एवं 60 मिनट	03.08.2025 एवं 05.08.2025
12323	हावड़ा-बाड़मेर	75 मिनट	02.08.2025
12561	जयनगर-नई दिल्ली	75 मिनट	02.08.2025 से 05.08.2025

रेलगाड़ियों की रिशेड्यूलिंग

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	रिशेड्यूल (मिनट में)	प्रभावी तिथि
64154	अलीगढ़-टूण्डला	30 मिनट	02.08.2025 से 05.08.2025
64165	टूण्डला-अलीगढ़	120 मिनट	05.08.2025

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1343/25 (A)

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

बदलते मौसम में बच्चे होने लगे हैं बीमार तो ट्राई करें ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

भारत के कई राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है। मानसूम शुरू होने के साथ ही सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी और ठंड लगने जैसी मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं इस मौसम से बच्चे और बुजुर्ग थोड़ा जल्दी प्रभावित होते हैं। इसलिए इस मौसम में बच्चों और बुजुर्ग को स्वस्थ रखना कई बार एक बड़ी चुनौती बन जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

हल्दी वाला दूध

एक्सपर्ट के मुताबिक सर्दी-जुकाम या बुखार से राहत पाने के लिए बच्चों को हल्दी वाला दूध का सेवन बड़ा असरदार माना जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जोकि इंफेक्शन से लड़ने और गले की खराश में राहत देने का काम करते हैं। इसलिए सोने से पहले गुनगुने दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर बच्चे को पिला दें।

गुनगुना पानी

सर्दी-जुकाम या बुखार होने पर बच्चों को ठंडी चीजें नहीं देनी चाहिए। बल्कि बच्चे को पीने के लिए गुनगुना या हल्का गर्म पानी देना चाहिए। इससे गले की खराश और सूजन की समस्या कम हो सकती है।

अदरक, तुलसी और शहद का काढ़ा

गले की खराश, खांसी या बुखार आदि में आप बच्चे को तुलसी के पत्ते, अदरक, काली मिर्च और शहद का काढ़ा बनाकर दे सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। हालांकि एक साल से छोटे बच्चे को यह काढ़ा नहीं देना चाहिए।

तुलसी और अदरक का रस

तुलसी के पत्तों और अदरक का रस और थोड़े से शहद में मिलाकर देने से सर्दी-जुकाम और बुखार से राहत मिल सकती है।

तरल पदार्थ

अगर बच्चे को बुखार हो गया है, तो उसको पानी पिलाएं, नारियल पानी, सूप या ताजे फलों का रस भी दे सकते हैं। इससे शरीर में पानी की कमी भी पूरी होगी और एनर्जी भी बनी रहेगी।

बारिश के पानी से भी करें बच्चे का बचाव
बच्चे को बारिश में भीगने या गंदे पानी में खेलने से रोकें।
अगर बच्चा गीला हो गया है तो तुरंत उसके कपड़े बदल दें।
बच्चों की साफ-सफाई का खास ख्याल रखें।
पौष्टिक आहार दें, जिससे बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत हो।
नींद पूरी करने और आराम करने के लिए पर्याप्त समय दें।
समय-समय पर टीकाकरण जरूर कराएं।

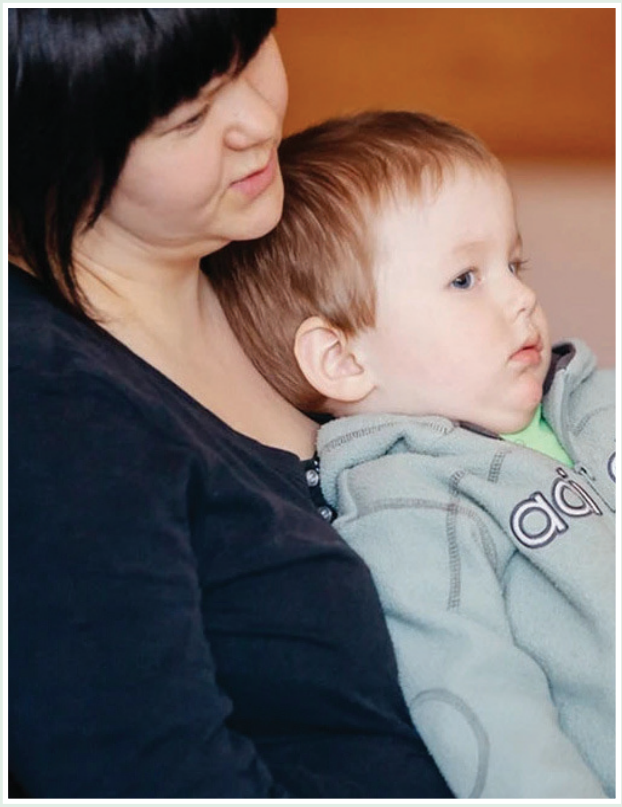

एल्युमीनियम के बर्तन में भूलकर भी नहीं गर्म करनी चाहिए ये चीजें, स्वास्थ्य को हो सकता है नुकसान

हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है।

हम सभी के घरों में स्टील, लोहे और एल्युमीनियम के बर्तन मिल जाते हैं। हर बर्तन की अपनी अलग खासियत होती है। वहीं हर मेटल में बने खाने का स्वाद अलग-अलग होता है। जहां पर कुछ बर्तन बल्कि होते हैं, तो कुछ बर्तन भारी होते हैं। हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है। कई महिलाएं एल्युमीनियम के बर्तन में चटनी बनाने से लेकर दूध तक गर्म करती हैं। जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एल्युमीनियम के बर्तनों में कौन-सी चीजें गर्म नहीं करनी चाहिए और क्यों।

दूध न गर्म करें

दरअसल, एल्युमीनियम के बर्तन हल्के और जल्दी गर्म हो जाते हैं। हालांकि कई लोग दूध उबालने के लिए इन बर्तनों का उपयोग करते हैं। लेकिन इन बर्तनों में दूध नहीं गर्म करना चाहिए। क्योंकि दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जोकि एल्युमीनियम के साथ रिएक्ट कर सकता है। जिससे दूध का स्वाद बिगड़ सकता है और दूध से मेटल की गंध भी आ सकती है। वहीं इस बर्तन में दूध उबालने से बर्तन की सतह पर दाग पड़ सकते हैं या फिर यह धीरे-धीरे घिस सकता है।

क्या करें

आप स्टेनलेस स्टील या बोरोसिलिकेट ग्लास के बर्तन में दूध गर्म कर सकते हैं।

इसके अलावा आप इंडक्शन या इलेक्ट्रिकल केटल का इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें भी सेफ कोटिंग या स्टील वाले बर्तन का इस्तेमाल करना चाहिए।

नमक या नमक वाला पानी

नमक सोडियम क्लोराइड मौजूद होता है। जोकि एल्युमीनियम के साथ मिलकर एक रासायनिक प्रक्रिया शुरू करता है। इससे धीरे-धीरे बर्तन की सतह खराब हो सकती है।

अगर आप नमकीन खाना एल्युमीनियम बर्तन में पकाते हैं, तो इसको धोने में देर नहीं करनी चाहिए। क्योंकि धोने में देर करने से बर्तन की सतह पर काले या सफेद धब्बे आ सकते हैं। इससे एल्युमीनियम के पार्टिकल्स भी आपके खाने में मिल सकते हैं, जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

क्या करें

खाने या नमक वाले पानी के लिए स्टेनलेस स्टील, नॉन स्टिक या कास्ट आयरन बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

अगर आपने एल्युमीनियम बर्तन में नमक वाला कुछ पकाया है, तो उसको फौरन धोकर सुखा लेना चाहिए।

एल्युमीनियम बर्तनों को सूखा और साफ रखना चाहिए। जिससे कि जंग लगने की संभावना न हो।

रेडीमेड सॉस या पैकेज्ड फूड

कई बार हम जल्दी खाना बनाने के लिए फ्रोजन फूड को पका लेते हैं या फिर किसी तरह के सॉस को एल्युमीनियम में गर्म करते हैं। इन खाद्य पदार्थों में एसिडिटी रेगुलेटर, प्रिजरवेटिव्स और अन्य केमिकल्स होते हैं। जोकि गर्म एल्युमीनियम से प्रतिक्रिया कर सकते हैं। इससे खाने का स्वाद बिगड़ सकता है। इस तरह का खाना बार-बार एल्युमीनियम में गर्म करने से बॉडी में एल्युमिनियम पार्टिकल्स प्रवेश करते हैं। जोकि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्या करें

बता दें कि पैकेज्ड फूड या सॉस को गर्म करने के लिए सेरामिक, ग्लास या स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल करें।

वहीं माइक्रोवेव में गर्म कर रहे हैं, तो बीपीए मुक्त माइक्रोवेव सेफ कंटेनर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

एल्युमीनियम फॉयल में लपेटे हुए खाने को ओवन या माइक्रोवेव में गर्म करने से पहले हटा लें।

सजावट भी और शुभता भी~इन तरीकों से सजाएं तुलसी, घर का पूरा वातावरण हो जाएगा शुद्ध

तुलसी का पौधा घर में शुद्ध वातावरण, सकारात्मक ऊर्जा और सौंदर्य तीनों लाता है। इसे सजाने का मतलब सिर्फ सुंदरता नहीं, बल्कि श्रद्धा और शुभता से घर को भरना है। वास्तु शास्त्र और आयुर्वेद दोनों में तुलसी को विशेष स्थान दिया गया है। आइए जानें तुलसी के पौधे को सजाने के सुंदर और शुभ तरीके।

तुलसी वृंदावन बनाएं – मिट्टी, पत्थर या संगमरमर से बना पारंपरिक वृंदावन घर के आंगन या बालकनी में रखें। इसके चारों कोनों पर छोटे दीपक या कांच की लाइट लगाकर इसे और सुंदर बना सकते हैं। वृंदावन के आस-पास रंगोली, सफेद रंग से अल्पना या कोलम बनाना शुभ माना जाता है।

तुलसी के पास छोटे पौधे और फूल सजाएं – तुलसी के चारों ओर अपराजिता, मनी प्लांट, एलोवेरा या चमेली जैसे छोटे पौधे लगाएं। इससे तुलसी का स्थान और भी हराभरा और शांतिपूर्ण लगेगा।

दीपक और घंटी लगाएं – तुलसी के पास रोज सुबह और शाम दीपक जलाएं। एक छोटी पीतल या कांसे की घंटी भी टांग सकते हैं जिसे पूजा करते समय बजाया जाए।

गमले को सजाएं – अगर तुलसी को गमले में लगा रहे हैं, तो उस गमले को रंगीन पेंटिंग, वॉरली आर्ट या मंत्रों से सजाएं। इसमें ॐ नमो भगवते वासुदेवायॐ या ॐहरि ?ॐ जैसे मंत्र लिखे जा सकते हैं।

तुलसी की माला –तुलसी के पौधे के चारों ओर लकड़ी की माला, रिबन या फूलों की माला लगाकर सजाएं। त्योहारों पर बंदनवार या तोरण से तुलसी का स्थान सजाएं।

हैंगिंग तुलसी प्लांटर – यदि घर में जगह कम है, तो तुलसी को हैंगिंग पॉट्स में बालकनी या रसोई की खिड़की में रखें।

इन बातों का रखें ख्याल –

तुलसी को सूखने न दें, रोज़ पानी दें।

–उसके पास कभी जूते-चप्पल न रखें।

–तुलसी के पत्ते बिना हाथ धोए और बिना मंत्र बोले न तोड़ें।

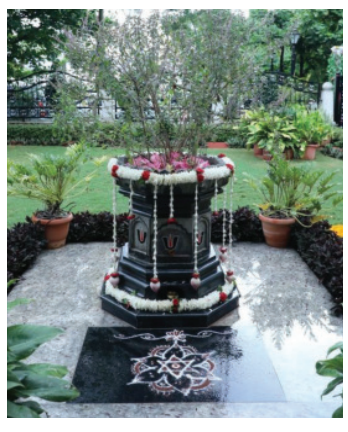

कम बजट में किचन को दोबारा डेकोरेट करने के लिए फॉलो करें ये शानदार टिप्स, हर कोई करेगा तारीफ

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

किसी भी चीज को लंबे समय तक एक जैसा देखने या फिर इस्तेमाल करने से मन भर जाता है। इसलिए समय के साथ चीजों को अपडेट करना जरूरी होता है। फिर चाहे वह आउटफिट हो, कमरा हो या फिर किचन हो। अगर आप एक हाउसवाइफ हैं, तो आप रसोईघर का काम भी करती होंगी। लेकिन जिस किचन को आप सालों से यूज कर रही हैं, उसको देखकर अब आप भी बोर हो गई होंगी। अगर आपको भी लगता है कि आपके किचन को एक न्यू लुक की जरूरत है, तो आप आसानी से और कम पैसे में इसको न्यू लुक दे सकती हैं।

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

प्लांट्स लगाएं

अगर आपने किचन को बेहद खूबसूरत और शुद्ध बनाना चाहती हैं, तो किचन में प्लांट्स जरूर लगवाना चाहिए। प्लांट्स लगाने से किचन न सिर्फ अच्छा लगेगा और फ्रेश फील भी देने का काम करेगा। आप प्लाट्स को इनडोर में लगाने के साथ किचन की खिड़की पर रखने साथ हैंग भी कर सकती हैं। प्लांट्स लगाने से किचन में पॉजिटिव बदलाव नजर आएगा। वहीं हरियाली के बीच खाना बनाते हुए भी अच्छा लगेगा।

वॉलपेपर लगवाएं

किचन में खाना बनाने के दौरान निकलने वाला धुआं और मसाले आदि की छींटे के निशान टाइल्स पर लग जाते हैं और चिकनाई भी जम जाती है। आप इनकी कितनी ही सफाई कर लें, लेकिन कई बार यह निशान हटने का नाम नहीं लेते हैं। आजकम मार्केट आयल फ्री वॉलपेपर खूब मिलते हैं। ऐसे में आप इन वॉलपेपर को मगंवाकर खुद किचन में चिपका सकती हैं। इन वॉलपेपर पर दाग और चिकनाई के निशान भी नहीं लगते और यह जल्दी साफ भी हो जाते हैं। वहीं अगर यह ज्यादा गंदे हो जाते हैं, तो आप इनको बदलकर नए लगवा सकती हैं।

हैंगिंग लाइट्स

वहीं मार्केट और ऑनलाइन दोनों ही जगह पर यूनिक हैंगिंग लाइट्स भी मिल जाएंगी। ऐसे में आप भी इनसे अपने किचन को डेकोरेट कर सकती हैं। आप किचन के सेंटर में एक लाइन में छोटी-बड़ी के हिसाब से हैंगिंग लाइट्स लगा सकती हैं। डिम लाइट्स जलते ही आपके किचन की रौनक बढ़ जाएगी।

किचन ऑर्गनाइजर

ऑनलाइन में बहुत कम पैसे में सामान रखने के लिए ऑर्गेनाइजर मिल जाएगा। आप इनको किचन में लगवाकर बिखरे रखने वाले डिब्बे-डिब्बियों को एक जगह लाइन से ऑर्गेनाइज कर सकती हैं। इससे आपकी रसोई में स्पेस भी ज्यादा लगेगा और सामान भी बिखरा हुआ नहीं रहेगा। आपको किचन ऑर्गेनाइजर में कई डिजाइन और साइज मिल जाएंगे। जिनको आप किचन के साइज के हिसाब से ले सकती हैं।

कलरफुल एक्सेसरीज

आप मार्केट में मिलने वाली कलरफुल एक्सेसरीज लेकर किचन की वॉल और कैबिनेट पर हैंग कर सकती हैं। इससे किचन साफ-सुथरा और सुंदर दिखने लगेगा।

नीदरलैंड ने इजराइल के 2 कट्टर मंत्रियों पर बैन लगाया

गाजा में हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप, अब तक 7 देशों ने प्रतिबंध लगाया

एजेंसी

एम्सटर्डम, नीदरलैंड ने इजराइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच और सुरक्षा मंत्री इतमार बेन-ग्विर के देश में प्रवेश पर रोक लगा दी है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक इन पर गाजा में हिंसा को बढ़ावा देने के आरोप हैं। नीदरलैंड से पहले 6 देश इन दोनों नेताओं के अपने देश में आने पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। डच विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप ने सोमवार को कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि इन मंत्रियों ने बार-बार फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा दिया है, अवैध यहूदी बस्तियों के विस्तार की वकालत की है और गाजा में जातीय सफाए की बात कही है। वेल्डकैंप ने यह भी कहा कि नीदरलैंड में इजराइली राजदूत को तलब किया जाएगा और उनसे अपील की जाएगी कि वे नेतन्याहू सरकार से अपना रवैया बदलने को कहें। उन्होंने मौजूदा हालात को बुरा बताते हुए कहा कि नीदरलैंड हमास पर युद्धविराम के लिए दबाव बढ़ाने को भी तैयार है।

नीदरलैंड के इस फैसले पर इजराइली मंत्री इतमार बेन ग्विर ने नाराजगी जताई। उन्होंने मंगलवार को कहा कि चाहे उन्हें पूरे यूरोप में घुसने से रोक दिया जाए, वे इजराइल के लिए काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने हमास को खत्म करने और इजराइली सैनिकों का समर्थन करने की मांग की। उन्होंने यूरोप पर आरोप लगाया कि वहां हमेशा पीड़ितों को ही दोषी ठहराया जाता है। बेन-ग्वीर ने कहा कि यूरोप एक ऐसी जगह है जहां आतंकवाद को बर्दाश्त किया जाता है और आतंकवादियों का स्वागत होता है। वहां आतंकवादी आजाद घूम रहे हैं और यहूदियों का बहिष्कार किया जा रहा है। बेन-ग्वीर पहले इजराइल में नस्लवाद भड़काने और एक आतंकवादी संगठन का समर्थन करने के मामले में दोषी ठहराए जा चुके हैं। हालांकि अब वह इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री हैं और स्मोट्रिच वित्त मंत्री हैं। गौरतलब है कि इजराइली मंत्रियों बेन ग्विर और स्मोत्रिच की एंट्री पर बैन लगाने वाला नीदरलैंड एकलौता देश नहीं है। इससे पहले 9 जून को ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, नॉर्वे और ब्रिटेन ने भी एकसाथ उन पर प्रतिबंध लगाया था। हालांकि अमेरिका ने इस पर नाराजगी जाहिर की थी और इसे गैरजरूरी बताया था। इन पांचों देशों ने एक संयुक्त बयान में कहा था कि इन मंत्रियों ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक और गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा भड़काई है।

इसलिए उनकी संपत्ति जब्त की जाएगी और उन पर इन देशों में यात्रा करने पर रोक लगाई जाएगी। इसके बाद 17 जुलाई को स्लोवेनिया ने इन दोनों मंत्रियों पर बैन लगा दिया था। यानी कि अब तक 7 देश बेन ग्विर और स्मोत्रिच पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। इस बीच, सोमवार को इजराइल और नीदरलैंड के बीच तनाव तब और बढ़ गया जब डच प्रधानमंत्री मार्क शूफ ने गाजा में मानवीय संकट के कारण इजराइल के खिलाफ कड़े यूरोपीय कदम उठाने की बात कही। शूफ ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने अपने विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री और डिप्टी प्रधानमंत्रियों के साथ एक इमरजेंसी बैठक बुलाई है ताकि गाजा की ह्यभयावह स्थितिह्न पर चर्चा की जा सके। शूफ ने कहा कि नीदरलैंड गाजा में तुरंत और बिना शर्त मानवीय सहायता देने का समर्थन करता है। डच प्रधानमंत्री की चेतावनी के जवाब में इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, माफ कीजिए प्रधानमंत्री, लेकिन आपका ट्वीट हमारी फोन पर हुई बातचीत की सही झलक नहीं दिखाता।

ट्रम्प ने लंदन के मुस्लिम मेयर को घिनौना इंसान बताया

कहा- सादिक खान ने खराब काम किया; ब्रिटिश पीएम बोले- वो मेरे दोस्त

एजेंसी

टर्नबेरी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर लंदन के मेयर सादिक खान पर हमला बोला है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ स्कॉटलैंड में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने खान को नैस्टी पर्सन यानी घिनौना इंसान कह दिया और उनके कामकाज की आलोचना की। उनके इस बयान पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने तुरंत कहा कि वो (सादिक खान) मेरे दोस्त हैं। हालांकि ट्रम्प अपने बयान पर अड़े रहे और दोबारा दोहराया कि उन्होंने बहुत ही खराब काम किया है। लेकिन मैं निश्चित रूप से लंदन आऊंगा। यह पहली बार

नहीं है जब ट्रम्प ने सादिक खान पर हमला किया है। 2019 में भी उन्होंने खान को नाकाम इंसान कहा था और उन्हें सलाह दी थी कि वह लंदन में अपराध पर ध्यान दें। तब भी ट्रम्प ब्रिटेन की राजकीय यात्रा पर थे और लंदन आने से ठीक पहले ही उन्होंने ट्विटर पर खान को निशाने पर लिया था। ट्रम्प पहले खान को आईक्यू टेस्ट की चुनौती भी दे चुके हैं और 2017 के लंदन ब्रिज हमले के बाद उनकी प्रतिक्रिया की आलोचना भी कर चुके हैं। ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल में खान पर आतंकवाद से निपटने में नाकाम रहने का आरोप लगाया था और उन्हें स्टोन कोल्ड लूजर (बिल्कुल नाकाम इंसान) और बहुत मूर्ख कहा था। मेयर को खुशी है कि ट्रम्प दुनिया के सबसे महान शहर में आना चाहते हैं। अगर वे लंदन आएंगे तो देखेंगे कि हमारी विविधता हमें कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत बनाती है। गरीब नहीं, बल्कि अमीर बनाती है। हालांकि, दिसंबर 2024 में एएफपी को दिए इंटरव्यू में खान ने कहा था कि अमेरिकी जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है और अब सभी को चुनाव के नतीजों का सम्मान करना चाहिए। 1970 में जन्मे सादिक खान लंदन के पहले मुस्लिम मेयर है। वे मूल रूप से पाकिस्तानी है। उनके पिता पाकिस्तान में ड्राइवर का काम करते थे। वे कुछ समय बाद इंग्लैंड आ गए। 24 साल की उम्र तक उन्होंने बेहद गरीब हालात में जिंदगी जी। पिता रेड बस चलाते थे। लेकिन पॉलिटिक्स में शुरूआत से ही उनकी रुचि थी। 15 साल की उम्र में वे लेबर पार्टी से जुड़ गए थे। करियर की शुरूआत ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट के रूप में की।

चीन में बच्चा पैदा करने पर 1.30 लाख देगी सरकार

वन चाइल्ड पॉलिसी की वजह से 7 साल में जन्मदर आधी हुई, 21% आबादी बुजुर्ग

एजेंसी

बीजिंग, चीन में बच्चा पैदा करने पर सरकार ने माता-पिता को 1.30 लाख रुपए देने का फैसला किया है। सरकार ने यह कदम जन्मदर में लगातार हो रही कमी को लेकर उठाया है। चाइना डेली की रिपोर्ट के मुताबिक बच्चे के जन्म के बाद सरकार लगातार 3 साल तक माता-पिता को सालाना 3600 युआन (करीब 44,000 रुपए) देगी। चीन की 21% आबादी की उम्र 60 साल से ज्यादा है। चीन ने करीब एक दशक पहले अपनी विवादास्पद ₹वन चाइल्ड पॉलिसी₹ खत्म कर दी थी, लेकिन इसके बावजूद जन्म दर कम होती जा रही है। दुनिया के बड़े देशों में चीन की जन्म दर सबसे कम है और यह लगातार घटती जा रही है। 2016 में चीन में 1.8 करोड़ बच्चे पैदा हुए थे। 2023 में यह संख्या 90 लाख पर आ गई। सिर्फ 7 साल में चीन में बच्चे पैदा होने की रफ्तार में 50% फीसदी कमी आई। 2024 में इसमें थोड़ा इजाफा हुआ और यह 95 लाख हुई, लेकिन जनसंख्या में कुल गिरावट जारी रही क्योंकि मृत्यु दर जन्म दर से अधिक रही। जिन माता-पिता के बच्चों की उम्र तीन साल से कम है, उन्हें सरकार हर साल नकद पैसे देगी। ये योजना 1 जनवरी 2025 से लागू मानी जाएगी। इसमें वो बच्चे भी शामिल होंगे जिनकी उम्र अभी तीन साल से कम है। ऐसे बच्चे जिनके पास चीनी नागरिकता है, उन्हें तीन साल का होने तक प्रति वर्ष 3,600 युआन (करीब 502 अमेरिकी डॉलर) दिए जाएंगे। अगर कोई बच्चा पहले पैदा हुआ है, लेकिन अभी तीन साल से छोटा है, तो उसे भी उतने महीने के हिसाब से पैसे मिलेंगे, जितने महीने वो इस योजना के दायरे में आता है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि ये पहली बार है जब पूरे देश में एक जैसी बाल देखभाल सब्सिडी दी जा रही है। इससे लगभग दो करोड़ परिवारों को हर साल फायदा मिलने की उम्मीद है। पहले चीन के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग तरह की योजनाएं चलती थीं, जिनमें ज्यादातर सब्सिडी सिर्फ दूसरे या तीसरे बच्चे पर दी जाती थी, लेकिन इस नई योजना में पहले, दूसरे और तीसरे सभी बच्चों को बराबर मदद दी जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ सालों में चीन में पहले बच्चे के जन्म में सबसे ज्यादा गिरावट आई है, इसलिए ये योजना इस समस्या को भी ठीक करने में मदद करेगी। साथ ही यह भी कहा गया कि केवल पैसे देने से ही जन्म दर नहीं बढ़ेगी, बल्कि इसे मातृत्व छुट?टी, बच्चों की देखभाल सेवाओं, स्कूलों और घर जैसी दूसरी सुविधाओं से भी जोड़ना जरूरी है। सरकार की योजना है कि अगस्त 2025 के अंत तक पूरे देश में इस सब्सिडी के लिए आवेदन लेना शुरू कर दिया जाएगा। चीन सरकार अलग-अलग क्षेत्रों को उनके आर्थिक हालात के हिसाब से मदद देगी और स्थानीय सरकारें चाहें तो अपनी तरफ से सब्सिडी की राशि बढ़ा भी सकती हैं, लेकिन उसका खर्च उन्हें खुद उठाना होगा। बच्चों की परवरिश के मामले में चीन दुनिया के सबसे महंगे देशों में से एक है।

यंग पॉपुलेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक, एक बच्चे को 17 साल की उम्र तक पालने में औसतन 56 लाख रुपए खर्च होते हैं। जनवरी में सरकारी आंकड़ों से पता चला कि 2024 में चीन की आबादी लगातार तीसरे साल घटी। 2024 में 95.4 लाख बच्चे पैदा हुए, जो पिछले साल से थोड़ा ज्यादा है। वर्ल्ड बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के मुताबिक, 2100 तक चीन की आबादी घटकर लगभग 1 अरब या उससे भी कम रह सकती है। जनसांख्यिकी विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरावट चीन के आर्थिक और सामाजिक ढांचे पर बड़ा असर डाल सकती है।

अमेरिका में ड्रीमलाइनर प्लेन से मिला मेडे कॉल

आसमान में बोइंग-787 के इंजन में खराबी आई; अहमदाबाद में इसी मॉडल का विमान क्रैश हुआ था

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका में यूनाइटेड एयरलाइंस के विमान 'बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर' के लेफ्ट इंजन में उड़ान के दौरान खराबी आ गई। हादसे के वक्त प्लेन 5000 फीट की ऊंचाई पर था, जिसके बाद पायलटों ने ₹मेडे कॉल₹ (इमरजेंसी का मैसेज) भेजा। यह हादसा 25 जुलाई को हुआ था, जिसकी खबर अब सामने आई है। पायलटों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (अळउ) के साथ मिलकर हालात को संभाला।

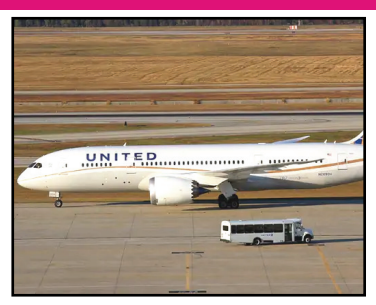

फ्लाइटअवेयर के मुताबिक, प्लेन 2 घंटे 38 मिनट तक हवा में रहा। इसने राजधानी वॉशिंगटन के उत्तर-पश्चिम में चक्कर लगाते हुए ईंधन खाली किया, ताकि लैंडिंग के लिए वजन कम हो सके। 12 जून को अहमदाबाद में एअर इंडिया का जो प्लेन क्रैश हुआ था, वह बोइंग कंपनी '787-8 ड्रीमलाइनर' का ही था। तब यह विमान' टेकऑफ के दो मिनट बाद ही क्रैश हो गया था। इस हादसे में 270 लोगों की जान गई थी। बोइंग दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्ररर कंपनी है। फ्रांस की एयरबस कंपनी पिछले महीने ही सबसे बड़ी कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्ररर बनी है। यूनाइटेड एयरलाइंस के पायलटों ने 5000 फीट की ऊंचाई पर ही ईंधन खाली करने की अनुमति मांगी थी। इसके बाद एटीसी ने उन्हें दूसरी उड़ानों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए गाइड किया। ईंधन खाली करने के बाद पायलटों ने रनवे 19 सेंटर पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) की मदद से लैंडिंग की इजाजत मांगी। लैंडिंग के बाद खराब इंजन की वजह से विमान अपने आप रनवे से नहीं हट सका और उसे टो करके हटाना पड़ा। सोमवार तक यह विमान वॉशिंगटन डलेस एयरपोर्ट पर ही खड़ा रहा।

बारिश ने रोकी केदारनाथ यात्रा, सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच चट्टान टूटी, रोके गए सैकड़ों यात्री

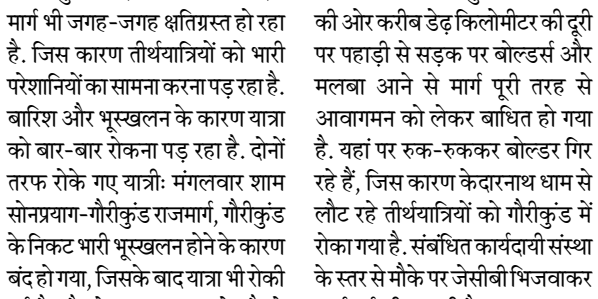

एजेंसी

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच भूस्खलन होने यात्री रोकी गई.

रुद्रप्रयागः केदारनाथ यात्रा में बारिश और भूस्खलन लगातार बाधक बन रहा है. बारिश और भूस्खलन के चलते बार-बार केदारनाथ धाम की यात्रा प्रभावित हो रही है और धाम आने-जाने वाले तीर्थ यात्रिओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. भूस्खलन के कारण सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग फिर बंद हो गया है. जिस कारण यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है. पहाड़ों में आफत की बारिश लगातार जारी है. लगातार हो रही बारिश के कारण आम जनजीवन के साथ ही केदारनाथ यात्रा भी प्रभावित हो रही है. बारिश के कारण केदारनाथ यात्रा मार्ग के सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच राजमार्ग जानलेवा बना हुआ है तो गौरीकुंड-केदारनाथ 19 किमी पैदल मार्ग भी जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो रहा है. जिस कारण तीर्थयात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. बारिश और भूस्खलन के कारण यात्रा को बार-बार रोकना पड़ रहा है. दोनों तरफ रोके गए यात्रीः मंगलवार शाम सोनप्रयाग-गौरीकुंड राजमार्ग, गौरीकुंड के निकट भारी भूस्खलन होने के कारण बंद हो गया, जिसके बाद यात्रा भी रोकी गई है और केदारनाथ धाम से लौटने वाले श्रद्धालुओं को गौरीकुंड में रोका गया है. जबकि केदारनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को सोनप्रयाग में रोक दिया गया है. तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा पड़ावों में रहने और खाने की समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं. जबकि सुरक्षा जवान भी तीर्थयात्रियों की हरसंभव मदद में जुटे हुए हैं. बुधवार को सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच गिरे बोल्डरों को साफ करने के बाद ही तीर्थयात्रियों को केदारनाथ धाम भेजा जाएगा.सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच भारी भूस्खलन बारिश के कारण रुक-रुककर गिर रहे बोल्डरः जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्दन सिंह रजवार ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण गौरीकुंड से सोनप्रयाग की ओर करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी से सड़क पर बोल्डर्स और मलबा आने से मार्ग पूरी तरह से आवागमन को लेकर बाधित हो गया है. यहां पर रुक-रुककर बोल्डर गिर रहे हैं, जिस कारण केदारनाथ धाम से लौट रहे तीर्थयात्रियों को गौरीकुंड में रोका गया है. संबंधित कार्यदायी संस्था के स्तर से मौके पर जेसीबी भिजवाकर कार्रवाई की जा रही है.

'बड़ी संख्या में लोगों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाता है, तो अदालत हस्तक्षेप करेगी': सुप्रीम कोर्ट

पीठ ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक प्राधिकरण है, इसलिए उसे कानून के अनुसार कार्य करना माना जाएगा

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की पीठ ने मामले की सुनवाई की. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने न्यायालय का ध्यान भारतीय चुनाव आयोग के इस कथन की ओर दिलाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान 65 लाख लोगों ने गणना फॉर्म जमा नहीं किए हैं. क्योंकि वे या तो मर चुके हैं या स्थायी रूप से कहीं और चले गए हैं.

एजेंसी

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अगर चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के मसौदा प्रकाशन में लाखों लोग छूट जाते हैं, तो याचिकाकर्ता यह बता सकते हैं कि वे जीवित हैं और पात्र हैं. कोर्ट ने जोर देकर कहा कि अगर बड़ी संख्या में लोगों को मतदाता सूची से बाहर रखा जाता है, तो अदालत तुरंत हस्तक्षेप करेगी. वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने पीठ के समक्ष चुनाव आयोग का प्रतिनिधित्व किया. पीठ ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक प्राधिकरण है, इसलिए उसे कानून के अनुसार कार्य करना माना जाएगा, तथा याचिकाकर्ताओं के वकील को आश्वासन दिया कि न्यायालय एसआईआर प्रक्रिया के संबंध में उनकी सभी चिंताओं को सुनेगा. पीठ ने कहा, आपकी आशंका यह है कि लगभग 65 लाख मतदाता सूची में शामिल नहीं होंगे. वे (चुनाव आयोग) 2025 की प्रविष्टि के संबंध में सुधार की मांग कर रहे हैं. हम एक न्यायिक प्राधिकारी के रूप में इस मामले की समीक्षा कर रहे हैं. राजद सांसद मनोज झा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वे जानते हैं कि ये 65 लाख लोग कौन हैं और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि चुनाव आयोग मसौदा सूची में नामों का उल्लेख करता है, तो कोई समस्या नहीं है. पीठ ने कहा कि अगर बड़े पैमाने पर बहिष्कार हुआ, तो हम तुरंत हस्तक्षेप करेंगे. न्यायमूर्ति बागची ने कहा, बाहर लाएं और कहें कि ये 20 लाख लोग हैं, जो जीवित हैं और वे मतदाता हैं. द्विवेदी ने तर्क दिया कि आपत्तियों पर विचार करने के बाद ही असली तस्वीर सामने आएगी कि किसे खारिज किया गया है और किसे नहीं. द्विवेदी ने कहा, वरना, यह सब अटकलें ही रहेंगी. 1 अगस्त को सूची का मसौदा तैयार होगा और आपत्तियां, दावे और सुधार आवेदन दाखिल करने के लिए 30 दिन का समय होगा. प्रकाशन 30 सितंबर को होगा. पीठ ने कहा कि वह मसौदा सूची से जुड़े मुद्दों पर याचिकाकताओं की बात सुनेगी. 12 और 13 अगस्त को दलीलें सुनने के लिए मामले पर सुनवाई कर सकती है. द्विवेदी ने कहा कि 12 और 13 अगस्त को असली तस्वीर सामने नहीं आएगी, सिर्फ आपत्तियां होंगी और तस्वीर जस की तस रहेगी. एक याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि सूची 1 अगस्त को जारी होगी और उन्हें यही तस्वीर चाहिए. प्रस्तुतियां सुनने के बाद, पीठ ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए ईसीआई के 24 जून के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 12 और 13 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की.

केरल भाजपा का दावा: छत्तीसगढ़ नन मामला तस्करी या धर्मांतरण नहीं, सिर्फ तकनीकी गलती

राजीव चंद्रशेखर ने मीडिया को संबोधित करते हुए और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की है और मामले पर पूरी जानकारी प्राप्त कर ली है। चंद्रशेखर ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि यह गलतफहमी और गलत संचार का मामला है। उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि शुरूआत में इस मामले को मानव तस्करी माना गया था, लेकिन मामला निजी प्लेसमेंट एजेंसी विनियमन अधिनियम के तहत पंजीकरण में चूक का प्रतीत होता है।

एजेंसी

भाजपा की केरल इकाई छत्तीसगढ़ में गिरफ्तार की गईं मलयाली ननों के समर्थन में उतर आई है और दावा किया है कि यह घटना न तो धर्मांतरण का मामला है और न ही मानव तस्करी का, बल्कि तकनीकी खामियों के कारण हुई गलतफहमी का नतीजा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने मीडिया को संबोधित करते हुए और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की है और मामले पर पूरी जानकारी प्राप्त कर ली है। चंद्रशेखर ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि यह गलतफहमी और गलत संचार का मामला है। उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि शुरूआत में इस मामले को मानव तस्करी माना गया था, लेकिन मामला निजी प्लेसमेंट एजेंसी विनियमन अधिनियम के तहत पंजीकरण में चूक का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि मैं समझता हूँ कि उन्होंने आवश्यक पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है। लेकिन यह निश्चित रूप से तस्करी या धर्मांतरण का मामला नहीं है। यह बयान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साई द्वारा गिरफ्तारियों का बचाव करते हुए राज्य के धर्मांतरण विरोधी कानून का हवाला देते हुए आया है

'भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं'

थरूर के 'मौनव्रत' के बाद मनीष तिवारी के पोस्ट ने बढ़ाई कांग्रेस की टेंशन

आनंदपुर साहिब से सांसद ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में एक समाचार लेख का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें वक्ताओं की सूची से उन्हें बाहर किए जाने पर प्रकाश डाला गया था। तिवारी ने 1970 की फिल्म पूरब और पश्चिम के प्रसिद्ध देशभक्ति गीत ₹है प्रीत जहाँ की रीत सदा₹ के बोल भी साझा किए।

एजेंसी

नई दिल्लीः संसद के मॉनसून सत्र 2025 के दौरान लोकसभा में 16 घंटे की बहस जारी है. सदन में मंगलवार को सत्ता पक्ष से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुरूआत की. वहीं, विपक्षी दल से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की. वहीं, कांग्रेस के कुछ नेताओं को सदन में बोलने वालों की लिस्ट में शामिल नहीं किया गया. इसमें तिरुवनंथपुरम से सांसद शशि थरूर और चंडीगढ़ से एमपी मनीष तिवारी का नाम शामिल है. शशि थरूर ने तो मौन व्रत-मौन व्रत कहकर मामले से पल्ला झाड़ लिया, लेकिन मनीष तिवारी से रहा नहीं गया

और सोशल मीडिया पर पार्टी के खिलाफ भड़ास निकाली. कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट शेयर करते हुए पार्टी पर हमला बोला है. पूर्व केंद्रीय मंत्री ने तंज कसते हुए एक खबर का स्क्रीनशॉट लिया और 1970 की एक फिल्म पूरब और पश्चिम का एक सदाबहार देशभक्ति गाना- प्रीत जहां की रीत सदा, मैं गीत यहां के गाता हूं, भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं, जय हिंद शेयर किया. वहीं, मनीष तिवारी के इस पोस्ट से पार्टी में खलबली मच गई है. तिवारी ने पूरे मुद्दे पर अपने विचार स्पष्ट नहीं किए. वहीं, इससे पहले इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या तिवारी और शशि थरूर, जो भारत का रुख बताने के लिए विदेश भेजे गए राजनयिक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चल रही बहस के दौरान निचले सदन में बोलेंगे या नहीं. वहीं, शशि थरूर ने पहले ही कह दिया था कि राष्ट्र के प्रति उनका दायित्व पहले है. पार्टी उसके बाद आती है. उन्होंने कहा कि पार्टी देश को विकास के रास्ते पर ले जाने का एक माध्यम है. इसलिए जो भी पार्टी हो, उसका उद्देश्य सिर्फ देश को बेहतर बनाने पर होना चाहिए.